TNF TODAY

टीएनएफ टुडे

थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे

tnftoday | tnftoday

www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition | एस.एन. मेडिकल कॉलेज में सफल सर्जरी... (पेज-3) | पृष्ठ- 8 | वर्ष-01 अंक-डमी | मूल्य ₹7 | बुधवार | दिनांक- 14.10.2026

पुलिस ने लिया कड़ा एक्शन

पहले हिरासत और अब एफआईआर

सीजेपी के सौरव-रांका को भारी पड़ा जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली।

राजधानी दिल्ली में जंतर-मंतर पर बिना अनुमति के प्रवेश करने और प्रदर्शन करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं सौरव दास, आशुतोष रंका और अन्य सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह कार्रवाई सीजेपी कार्यकताओं द्वारा भारी सुरक्षा घेरे और बैरिकेड्स को तोड़कर जंतर-मंतर क्षेत्र में घुसने और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी करने के कुछ घंटों बाद की गई। उल्लेखनीय है कि हाल ही में जंतर-मंतर को आधिकारिक तौर पर नामित प्रदर्शन स्थल की सूची से हटा (डिनोटिफाइ) दिया गया है।

गिरफ्तारी और पुलिस थाने के बाहर गहमागहमी

प्रतिबंधात्मक आदेशों की अवहेलना करते हुए इस क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद मंगलवार सुबह सौरभ दास, आशुतोष रांका और सीजेपी के कुछ अन्य सदस्यों को हिरासत में ले लिया गया। संगठन के अनुसार, उनके लगभग 11 सदस्यों को हिरासत में लिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को द्वारका जिले के जाफरपुर कलां पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां कुछ सीजेपी कार्यकताओं के इकट्ठा होने के बाद पुलिस स्टेशन के आसपास सुरक्षा और बढ़ा दी गई। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दिपके ने इस कदम को 'जंतर-मंतर को वापस पाना' करार दिया और दावा किया कि प्रदर्शन स्थल को डिनोटिफाइ किए जाने से उनका आंदोलन कमजोर नहीं होगा।

राहुल गांधी का पीएम और ईसी पर हमला

'लोकतंत्र को बचाना हमारा लक्ष्य, विपक्ष एकजुट है'

एजेंसी, नई दिल्ली।

लोकसभा मे विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आवास पर मंगलवार को इंडिया ब्लॉक की बैठक हुई। इस बैठक में इंडिया गठबंधन के जुड़े कई अहम नेता शामिल हुए। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हम यहां एकजुट होकर खड़े हैं। यह अलग-अलग नहीं, एक ही आंदोलन है। मैं आपको गारंटी देता हूं कि जिस तरह हमने ऊर्जा, ताकत और एकता के साथ एकजुट होकर काम किया, उसी तरह हम आगे भी मिलकर लड़ते रहेंगे... हम सुप्रीम कोर्ट, भारत के मुख्य न्यायाधीश और भारत की न्याय प्रणाली का बहुत सम्मान करते हैं।

राहुल का जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने का वादा

राहुल गांधी ने कहा, हम आपसे वादा करते हैं कि जिन लोगों ने यह सब किया है, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, ज्ञानेश कुमार, वह महिला जो इस समय देहरादून में छिपी हुई हैं और अन्य लोग शामिल हैं।

जनता के समर्थन और संघर्ष जारी रखने पर

राहुल गांधी ने कहा, कल आपने जो देखा, वह यहां मौजूद किसी राजनीतिक दल की अभिव्यक्ति नहीं थी, बल्कि भारत की जनता की आवाज थी। हम दिल्ली के लोगों और देश की जनता को धन्यवाद देना चाहते हैं, जो हमारे साथ खड़े हुए और जो कुछ किया जा रहा है, उसके खिलाफ हमारा समर्थन किया। यह लड़ाई हमारे बारे में नहीं है। यह भारत की जनता और उसके भविष्य के बारे में है। हम सभी आपसे प्यार करते हैं और आपका सम्मान करते हैं। इसलिए हम सब मिलकर देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को फिर से बहाल करने के लिए अंत तक संघर्ष करेंगे। हम आपसे वादा करते हैं कि जिन लोगों ने यह सब किया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, ज्ञानेश कुमार, देहरादून में छिपी हुई वह महिला और अन्य लोग...उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन और सरकार को चुनौती देने पर

सांसद राहुल गांधी ने कहा, लोकतंत्र में अपनी बात रखने का एक माध्यम जंतर-मंतर था। अब सरकार ने तय कर लिया है कि जंतर-मंतर का इस्तेमाल लोकतांत्रिक भावनाओं को जाहिर करने के लिए नहीं किया जा सकता। हम सरकार की इस सोच को चुनौती देने जा रहे हैं। सरकार के लिए यह तय कर देना इतना आसान नहीं होगा कि भारत के लोग अपनी आवाज उठाने के लिए संघर्ष नहीं करेंगे। जिन लोगों ने यह सब किया है, उन्हें समझना होगा कि अब उनके चारों ओर घेरा कसता जा रहा है। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हैं, जो इसके मुख्य सूत्रधार हैं। गृह मंत्री अमित शाह इसे लागू करने वाले हैं। ज्ञानेश कुमार और अन्य लोग भी इसमें शामिल हैं। उन्हें समझना होगा कि भारतीय संविधान को नष्ट करके वे आसानी से बच नहीं सकते।

लोकतंत्र बहाल करना लक्ष्य-राहुल

राहुल गांधी ने कहा, हम सभी यहां एक साथ खड़े हैं। जैसा कि मैंने कल कहा था, अलग-अलग या एक-दूसरे से जुड़े हुए कई प्रदर्शन नहीं हो रहे हैं। यह एक ही प्रदर्शन है और इसका एक ही मकसद है भारत में लोकतंत्र को बहाल करना। देश में लोकतंत्र को नष्ट कर दिया गया है। चुनाव व्यवस्था को बर्बाद कर दिया गया है। संविधान को फाड़कर फेंक दिया गया है। हम सभी मिलकर देश में लोकतांत्रिक शासन और वास्तविक लोकतंत्र को फिर से स्थापित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

आंदोलन जारी रखने, आगे की रणनीति पर मंथन

राहुल गांधी ने कहा, कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में मैंने 'दृढ़ता और लगातार प्रयास करते रहने' की बात कही थी। हमारी यह टीम रुकने वाली नहीं है। चाहे कल हो, परसों, तीन महीने बाद, छह महीने बाद, एक साल बाद या दो साल बाद हमारा संघर्ष नहीं रुकेगा।

हम अपने अंतिम लक्ष्य तक पहुंचकर रहेंगे। मैं आपको यह ठीक-ठीक नहीं बता सकता कि हम वहां तक कैसे पहुंचेंगे, क्योंकि इससे हमारी आगे की योजना का खुलासा हो जाएगा। हम चाहते हैं कि आपके और देश के लोगों के लिए उत्सुकता और आश्चर्य बना रहे। लेकिन मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि जिस ऊर्जा, ताकत और एकजुटता के साथ हमने आंदोलन खड़ा किया है, उसी भावना के साथ मिलकर आगे भी संघर्ष करते रहेंगे। राहुल ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद करते हैं।

भारत ने दुनिया को सस्ती दवाएं-टैलेंट दिया और क्रेडिट भी नहीं मांगा: पीएम

एजेंसी, नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सस्ती दवाओं से लेकर प्रतिभा तक, दुनिया भारत पर भरोसा करती है। भारत ने दुनिया को शून्य दिया, लेकिन कभी इसका श्रेय या रॉयल्टी नहीं मांगी। दिल्ली में पहली बार हो रहे ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में मोदी ने 25 मिनट स्पीच दी। कहा कि भारत की ताकत दूसरों को सक्षम बनाने में है। उन्होंने डिजिटल तकनीक, वैक्सीन सप्लाई, आर्थिक सुधारों और वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत की भूमिका का जिक्र किया।

तीन दिन का यह कार्यक्रम 15 अक्टूबर को खत्म होगा। इस साल फोरम की थीम बदलती दुनिया में ताकत के नए स्रोत तय करना है।

पीएम बोले- अवसर पैदा करें, देशों को जोड़े, कही 8 बड़ी बातें

1. दूसरों को सक्षम बनाएं: ज्ञान, धन और शक्ति का महत्व इस बात में है कि उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाता है। भारत दूसरों के लिए अवसर पैदा करने और देशों को जोड़ने में विश्वास रखता है।

2. 100 देशों में वैक्सीन सप्लाई की: कोविड के दौरान भारत ने 100 से ज्यादा देशों में वैक्सीन पहुंचाई। भारत अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल पूरी मानवता के फायदे के लिए करना चाहता है।

3. AI ने तरीका बदल रहा: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ सप्लाई चेन, ऊर्जा, खनिज और तकनीक भी देशों के बीच दबाव बनाने के साधन बन रहे हैं। दुनिया को भरोसेमंद साझेदारों की जरूरत है।

4. 25 करोड़ गरीबी से बाहर: सरकार का उद्देश्य लोगों को अपने पैरों पर खड़ा करना है। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक दशक में भारत ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। स्टार्टअप के मौके छोटे शहरों तक पहुंचे हैं।

5. भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.8%: आर्थिक सुधारों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की विकास दर 7.8% रही और विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से ज्यादा है। कारोबार को आसान बनाना और सुधार करना सरकार की प्रतिबद्धता है।

6. सस्ते मोबाइल डेटा से बढ़े अवसर: 2014 के बाद मोबाइल डेटा सस्ता हुआ है। इससे छोटे शहरों और कस्बों के छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाई, जानकारी और रोजगार से जुड़े नए अवसरों तक पहुंच मिली है।

7. देश में भ्रष्टाचार कम हुआ: देश में भ्रष्टाचार कम हुआ है। सरकारी योजनाओं का पैसा सीधे लोगों तक पहुंच रहा है और सरकारी कामकाज में पारदर्शिता बढ़ी है।

8. भारत लोकतंत्र की जननी: भारत लोकतंत्र की जननी है। शासन का मकसद सिर्फ ताकत का इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि लोगों को सशक्त बनाना और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर देना है।

ब्लूमबर्ग के संस्थापक माइकल ब्लूमबर्ग ने की थी शुरूआत

ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम की शुरूआत 2018 में ब्लूमबर्ग के संस्थापक माइकल ब्लूमबर्ग ने की थी। इसका उद्देश्य दुनिया की अर्थव्यवस्था से जुड़ी बड़ी चुनौतियों पर चर्चा करने और उनके समाधान तलाशने के लिए सरकारों और निजी कंपनियों के प्रमुखों को एक मंच पर लाना है। इसमें विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, बड़ी कंपनियों के एएड, निवेशक और तकनीकी विशेषज्ञ शामिल होते हैं। फोरम में वैश्विक व्यापार, निवेश, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, सामान की आपूर्ति और दुनिया में बदलते शक्ति संतुलन जैसे मुद्दों पर चर्चा होती है।

'सरकार का उद्देश्य नागरिकों को निर्भर बनाना नहीं'

मोदी ने कहा- सरकार के पास अधिकार है, लेकिन उसका उद्देश्य अपने नागरिकों को व्यवस्था पर निर्भर बनाना नहीं होना चाहिए। बल्कि, उसका उद्देश्य अपने नागरिकों को सशक्त और सशक्त बनाना होना चाहिए, और भारत इसी राह पर चल रहा है।

पीएम ने कहा- रिफॉर्म्स हमारा कन्विक्शन है

पीएम बोले- भारत की 7.8 प्रति. ग्रोथ रही है। आज हमारा फॉरेन रिजर्व 700 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। भारत का कॉन्फिडेंस ऊंचाई पर है। हमने इन्सॉल्वेंसी लॉ बनाया है। बिजनेस से जुड़ी छोटी-मोटी गलतियों को डिस्टेबिलाइज किया है। रिफॉर्म्स हमारा कन्विक्शन है।

मोदी बोले- पावर दूसरों को एम्पावर करने के लिए होती है

पीएम ने कहा- इतिहास में अनेक वैश्विक संगठन बने। उनके अपने-अपने हित रहे हैं। हमने इंटरनेशनल सोलर अलायंस, लाइफस्टाइल फॉर एन्वायर्नमेंट जैसे इनीशिएटिव लिए। भारत किन विचारों को लेकर सामने आया, ये सबके सामने है। भारत जोड़ने और जुड़ने पर बल देता है। पावर दूसरों को एम्पावर करने के लिए ही है। भारत रिलायबिलिटी और स्टेबिलिटी की बात करता है।

'अब पूरा देश जंतर-मंतर बनेगा'

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रसिद्ध जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन के निर्धारित स्थलों की सूची से हटाए जाने के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली पुलिस के फैसले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके और सह-संयोजक सौरव दास ने सोशल मीडिया के जरिए इस फैसले का विरोध किया। अभिजीत दीपके ने कहा कि अब पूरा देश ही जंतर-मंतर बनेगा।नक्शे देखें अब पूरा देश जंतर-मंतर बनेगा अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर दिल्ली पुलिस के फैसले पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर को प्रदर्शन की तय जगह के तौर पर हटा दिया गया है। दीपके ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर को पहले ही विरोध के लिए मुश्किल जगह बना दिया गया था और अब इसे निर्धारित स्थल की सूची से हटाया गया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि जंतर-मंतर को हटाए जाने के बाद विरोध का दायरा और व्यापक होगा। हालांकि, उनके बयान में लगाए गए आरोप राजनीतिक प्रतिक्रिया का हिस्सा हैं। सौरव दास बोले- जंतर-मंतर भारत के लोगों का है सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास ने भी दिल्ली पुलिस के फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने एक्स पर लिखा कि जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाना स्वीकार नहीं किया जा सकता। सौरव दास ने सवाल किया कि जंतर-मंतर को हटाने का फैसला क्यों लिया गया और क्या इस संबंध में लोगों या संबंधित संगठनों से सलाह ली गई थी। उन्होंने इसे शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने और एकत्र होने के अधिकार से जोड़ते हुए फैसले की आलोचना की। दास ने अपने पोस्ट में केंद्र सरकार पर भी राजनीतिक हमला बोला और कहा कि जिस तरह जंतर-मंतर को 'डी-नोटिफाई' किया जा रहा है, उसी तरह भविष्य में लोकतंत्र को लेकर भी सवाल खड़े हो सकते हैं। उन्होंने दोहराया कि अब पूरा देश जंतर-मंतर बनेगा।

'2029 में हार का मन बना लें'

शाह का राहुल पर वार- एसआईआर के बहाने घुसपैठियों को बचाने की योजना जनता समझ चुकी

एजेंसी, अहमदाबाद।

गुजरात के निकाय चुनाव में भाजपा की जीत के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गुजरात में 41 साल बाद भी जीत हासिल नहीं कर पाई है। शाह ने राहुल गांधी से आत्मनिरीक्षण करने को कहा और सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस की लगातार चुनावी हार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का परिणाम बताया जाएगा। उन्होंने गुजरात से लेकर राजस्थान और त्रिपुरा तक के चुनावी नतीजों का जिक्र करते हुए भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत का दावा किया।

क्या दूसरे राज्यों के चुनावों का भी अमित शाह ने किया जिक्र?

शाह ने तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुदुचेरी में हुए उपचुनावों का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस को इनमें एक भी सीट नहीं मिली। उन्होंने दावा किया कि असम के नौगांव में भाजपा ने कांग्रेस से सीट छीन ली। पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम में भाजपा उम्मीदवार की जीत और रेजीनगर में तृणमूल कांग्रेस से सीट जीतने का भी उन्होंने जिक्र किया।

पुदुचेरी में एनडीए के साथ एआईएनआरसी के उम्मीदवार की जीत का हवाला देते हुए शाह ने कहा कि चुनावी नतीजे कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का संकेत हैं। ये आंकड़े और चुनावी उदाहरण शाह ने अपने बयान में कांग्रेस की स्थिति पर सवाल उठाने के लिए दिए।

राजस्थान-त्रिपुरा में भाजपा की जीत को लेकर क्या बोले शाह?

अमित शाह ने राजस्थान के स्थानीय निकाय चुनावों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने नगर निगम की 90 फीसदी, नगर परिषद की 66 फीसदी और नगर पालिकाओं की 65 फीसदी सीटों पर जीत हासिल की। त्रिपुरा के ग्राम समिति चुनावों का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि कुल 4,600 सीटों में से एनडीए को 4,000 सीटों पर जीत मिली। उन्होंने खास तौर पर कहा कि त्रिपुरा में ये चुनाव बैलेट बॉक्स से हुए थे। शाह ने उन लोगों पर निशाना साधा जो चुनावी हार के लिए चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में कांग्रेस 30 साल से नहीं जीती है, जबकि बंगाल में 56 साल से उसे जीत नहीं मिली है।

राहुल और कांग्रेस को लेकर अमित शाह ने क्या आरोप लगाए?

शाह ने कहा कि राहुल गांधी के कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद से भाजपा लगातार चुनाव जीत रही है। उन्होंने राहुल गांधी के विपक्षी दलों को एकजुट करने के प्रयासों पर भी सवाल उठाया। शाह ने कहा कि 14 पार्टियों के कार्यकताओं को इकट्ठा करने और आठ हजार लोगों की भीड़ जुटाने से कोई देश की आवाज नहीं बन जाता। उनके मुताबिक, जनता की आवाज गांवों, खेतों, जंगलों और दूर-दराज के इलाकों में है। उन्होंने उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल का जिक्र करते हुए कहा कि वहां भी जनता ने कांग्रेस को हराया है।

एसआईआर और घुसपैठियों के मुद्दे पर क्या बोले शाह?

अमित शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस एसआईआर के बहाने घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दावा किया कि देश की जनता कांग्रेस की इस राजनीति को समझ चुकी है। शाह ने कहा कि कांग्रेस को अपनी रणनीति पर विचार करना चाहिए और 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा और एनडीए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फिर प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में आएंगे। हालांकि, 2029 के चुनाव को लेकर शाह का यह बयान उनका राजनीतिक दावा है, न कि चुनाव परिणाम।

बिहार में बड़ा हादसा: नाव डूबने से दस लोगों की मौत, 20 युवक और बच्चे थे सवार

एजेंसी, वैशाली।

बिहार के वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र के रामपुर श्यामचंद गांव में नाव डूबने से दस लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, सोमवार को करीब 20 युवक और बच्चे एक ही नाव पर सवार होकर भोज खाने जा रहे थे। इसी दौरान बीच धारा में नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। नाव पलटते ही उस पर सवार लोग गहरे पानी में डूबने लगे।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर राघोपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जिले के वरीय अधिकारियों को घटना से अवगत कराया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने एसडीआरएफ की टीम को घटनास्थल के लिए रवाना किया।

पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की मदद से दस लोगों के शव पानी से बाहर निकाले जाने की जानकारी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया है। मृतकों की पहचान की जा रही है। मृतकों में अधिकांश युवक और बच्चे बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों में मातम पसरा है। जिला प्रशासन ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है।

त्योहारी सीजन में दुकानदारों को बड़ी राहत: दिवाली तक नहीं लगेगा यूपीआई पर चार्ज

एजेंसी, नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन में दुकानदारों और कारोबारियों को राहत देते हुए यूपीआई के कुछ चुनिंदा लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाने का फैसला फिलहाल टाल दिया गया है। पहले चर्चा थी कि 15 अक्टूबर से 2,000 रुपये से अधिक के कुछ यूपीआई भुगतानों पर 0.4 फीसदी तक शुल्क लगाया जा सकता है। हालांकि, अब इस व्यवस्था को दिवाली तक के लिए टाल दिया गया है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से मंगलवार, 13 अक्टूबर को जारी सूचना में इसकी पुष्टि की गई। इससे कारोबारियों को त्योहार के दौरान अतिरिक्त भुगतान लागत से फिलहाल राहत मिलेगी।

दिवाली के बाद लागू होगा शुल्क एनपीसीआई की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यूपीआई एंड सर्विसेज स्टीयरिंग कमेटी ने चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट (पीटूएम) लेनदेन पर एमडीआर लागू करने का फैसला दिवाली के तुरंत बाद तक टाल दिया है। इसका मतलब है कि निर्धारित श्रेणियों के लेनदेन पर फिलहाल यह शुल्क नहीं लगेगा। हालांकि, शुल्क किस तारीख से लागू होगा, इस बारे में अभी कोई अंतिम तारीख घोषित नहीं की गई है। एनपीसीआई ने कहा है कि इसकी जानकारी अलग से दी जाएगी। ऐसे में कारोबारियों और डिजिटल भुगतान सेवाएं देने वाली कंपनियों को नए नियमों की औपचारिक घोषणा का इंतजार करना होगा। गौरतलब है कि हाल के दिनों में 15 अक्टूबर से 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.4 फीसदी एमडीआर लगाए जाने की खबरें सामने आई थीं। इससे व्यापारियों के बीच अतिरिक्त लागत को लेकर चिंता बढ़ गई थी।

अब समयसीमा टलने से उन्हें त्योहार के दौरान राहत मिलने की उम्मीद है।

क्या होता है एमडीआर और किस पर पड़ता है असर?

एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट वह शुल्क है, जो दुकानदार या कारोबारी से डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के बदले लिया जाता है। भुगतान व्यवस्था के नियमों के अनुसार, यह राशि बैंक, भुगतान सेवा प्रदाता या संबंधित भुगतान नेटवर्क से जुड़ी कंपनियों को मिल सकती है। यदि किसी लेनदेन पर एमडीआर लागू होता है, तो व्यापारी को भुगतान की कुल राशि में से निर्धारित शुल्क देना पड़ सकता है। इसका असर कारोबार की लागत पर पड़ता है। हालांकि, वास्तविक शुल्क लेनदेन की श्रेणी और लागू नियमों पर निर्भर करेगा। यह भी स्पष्ट करना जरूरी है कि फिलहाल घोषित राहत चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट लेनदेन से संबंधित है। इसलिए इसे सभी यूपीआई भुगतानों पर लागू होने वाले किसी एक समान शुल्क के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

त्योहारी खरीदारी के बीच क्यों टाला गया फैसला?

दिवाली और अन्य त्योहारों के दौरान बाजारों में खरीदारी बढ़ जाती है। ऐसे समय में दुकानदारों के लिए भुगतान से जुड़ी अतिरिक्त लागत बढ़ना कारोबार पर दबाव डाल सकता है। व्यापारी संगठनों और फिनटेक कंपनियों की ओर से प्रस्तावित शुल्क को लेकर आपत्तियां जताए जाने की खबरें भी सामने आई थीं। व्यापारियों की चिंता थी कि अतिरिक्त लागत का असर उनके मुनाफे पर पड़ सकता है। यह आशंका भी जताई गई कि कुछ कारोबारी इस खर्च की भरपाई वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों के जरिये करने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में ग्राहकों पर अप्रत्यक्ष बोझ पड़ने की संभावना रहती है। त्योहारी मांग को देखते हुए शुल्क लागू करने की समयसीमा आगे बढ़ाने से कारोबारियों को अपनी व्यवस्था तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। हालांकि, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि भविष्य में लागू होने वाला शुल्क वस्तुओं की कीमतों या ग्राहकों के भुगतान व्यवहार को किस हद तक प्रभावित करेगा। कार्ड और यूपीआई भुगतान में बड़ा अंतर कार्ड से भुगतान और यूपीआई के जरिये लेनदेन की व्यवस्था में कई अंतर हैं।

आपदा प्रबंधन और प्रौद्योगिकी कृषि पद्धतियों पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

- पालीवाल पार्क स्थित डायमंड जुबली हॉल में हुआ आयोजन, राज्य आपदा प्रबंधक प्राधिकरण लखनऊ का मिला सहयोग
- आपदा के कारणों, सूखा निवारण, पोषण संरक्षण और क्षेत्रगत अनुसंधान की आवश्यकता पर वक्ताओं ने दिए विचार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आज 13 अक्टूबर 2026 को डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के पालीवाल पार्क परिसर स्थित डायमंड जुबली हॉल में दीनदयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान द्वारा 'जलवायु अनुकूलन, सूखा निवारण और प्रौद्योगिकी कृषि पद्धतियाँ' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। राज्य आपदा प्रबंधक प्राधिकरण लखनऊ के सहयोग से और विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी के मार्गदर्शन में संपन्न इस कार्यक्रम का शुभारंभ कुलसचिव अजय मिश्रा, संस्थान के निदेशक डॉ. मनोज राठौर, ब्रिगेडियर डॉ. विनोद दत्ता, प्रो. पी.के. नाथ, डॉ. आभा सिंह व डॉ. आयुष मंगल ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता ब्रिगेडियर डॉ. विनोद दत्ता ने आपदा के कारणों और उनके निराकरण के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। डॉ. दीप्ति सिंह ने आपदा के समय गर्भवती महिलाओं, बच्चों और वृद्धजनों के भोजन, पोषण और जल के सुरक्षित उपयोग के साथ-साथ खाद्य संरक्षण पर जानकारी दी। प्रो. रंजीत कुमार ने वर्तमान समय में आपदाओं के लिए क्षेत्रगत अनुसंधान की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि आपदा से पहले और बाद दोनों ही अवस्थाओं में रिसर्च की जरूरत होती है। समाज विज्ञान विभाग के निदेशक प्रो. अरशद ने प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के लिए प्रशासन के साथ-साथ नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझने की बात कही। प्रो. पी.के. नाथ ने सूखा, बाढ़ और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को जागरूक होने और प्रकृति के संरक्षण के वास्ते मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान जिला आपदा विशेषज्ञ अवनीश ने आपदा के प्रकारों और आपदा की स्थिति में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. तपस्या चौहान ने किया। इस अवसर पर डॉ. नीरज कुशवाहा, डॉ. भरत सिंह, कु. इति, कु. माधुरी, डॉ. रेखा और आयुष शुक्ला सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की मौत

फतेहाबाद। फतेहाबाद-शमसाबाद मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जितेंद्र पुत्र ताराचंद उम्र 35 वर्ष निवासी गंगौरा थाना फतेहाबाद विगत 10 अक्टूबर को आगरा से काम करके अपने घर लौट रहा था। तभी फतेहाबाद-शमसाबाद मार्ग पर गढ़ी गोदना के पास रात 9 बजे के करीब उनकी बाइक में अज्ञात वाहन टक्कर मारकर मौके से भाग गया। हादसे में बाइक सवार जितेन्द्र गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिन्हें परिजन ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं सोमवार की रात 11 बजे के करीब इलाज के दौरान जितेंद्र ने दम तोड़ दिया। वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतक अपने पीछे दो पुत्र छोड़ गया। वहीं घटना की जानकारी से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

मिशन शक्ति की हुंकार, जागरूकता रैली के साथ 15 वाहन चालकों के चालान

महिला सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक, छात्राओं व एनसीसी कैडेट्स ने लिया हिस्सा

- हेलमेट, सीट बेल्ट और सुरक्षित ड्राइविंग का दिया संदेश
- महिला सुरक्षा व साइबर हेल्पलाइन की दी जानकारी
- निबोहरा पुलिस ने भी छात्राओं को किया जागरूक

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

मिशन शक्ति अभियान के फेज-6.0 के तहत मंगलवार को महिला सुरक्षा, सशक्तीकरण और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने के लिए रैली निकाली गई। रैली में राजकीय विद्यालय की छात्राओं, एनसीसी कैडेट्स, मिशन शक्ति टीम और एंटी रोमियो टीम ने सहभागिता की। अवंती बाई तिराहे से शुरू हुई रैली फतेहाबाद बस स्टैंड पर संपन्न हुई। रैली के दौरान पुलिसकर्मियों और छात्राओं ने आमजन को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। लोगों से शराब पीकर वाहन नहीं चलाने, वाहन चलाते समय स्टंटबाजी से बचने, दोपहिया वाहन पर हेलमेट पहनने, कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने की अपील की गई। इस दौरान चार पहिया वाहनों की चेकिंग भी की गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 15 वाहन चालकों के चालान मोटर वाहन अधिनियम के तहत किए गए। महिलाओं और बालिकाओं को वूमेन पावर लाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, साइबर हेल्पलाइन 1930 और पुलिस आपातकालीन सेवा 112 की जानकारी दी गई। साथ ही महिला हेल्प डेस्क, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना और रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष के बारे में बताया गया। यातायात की दृष्टि से व्यस्त चौराहों और प्रमुख स्थानों पर महिला पुलिसकर्मियों के साथ एनसीसी की महिला कैडेट्स ने चेकिंग अभियान चलाया। इस मौके पर राजकीय विद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. चंद्रपाल सिंह, एनसीसी प्रभारी डॉ. धनवंती चंचल, मिशन शक्ति प्रभारी डॉ. वंदना शर्मा, डॉ. तेजेंद्र सिंह यादव, डॉ. विजेंद्र कुमार और डॉ. आलोक कटरा मौजूद रहे। मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी शिवानी आर्य, एंटी रोमियो टीम प्रभारी शिवानी मलिक, महिला उपनिरीक्षक नीतल चौधरी, महिला कांस्टेबल अनुराधा, श्वेता, काजल, मीनू, मोनिका और राजकला सहित निरीक्षक अपराध पुरुषोत्तम पाल व अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत निबोहरा पुलिस ने एक इंटर कॉलेज में बालिकाओं को महिला सुरक्षा और जागरूकता से संबंधित जानकारी दी। पुलिसकर्मियों ने उन्हें विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए किसी भी परेशानी की स्थिति में पुलिस से संपर्क करने के लिए जागरूक किया।

आमने-सामने भिड़ीं बाइकें, दो युवक घायल

पिनाहट। ब्लॉक क्षेत्र के गांव कुकथरी के पास मंगलवार शाम दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार युवक घायल हो गए। ग्रामीणों ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पिनाहट में भर्ती कराया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने दोनों को हायर सेंटर आगरा रेफर कर दिया।

कुकथरी निवासी अजय (22) पुत्र अशोक मंगलवार शाम अपने पिता अशोक प्रधान को दवा दिलाने के लिए आगरा जा रहा था। गांव के पास सामने से करहल के नगला जंगी निवासी गौरव (22) पुत्र प्रमोद अपनी बहन आरती के साथ पिनाहट आ रहा था। इसी दौरान दोनों बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में अजय और गौरव घायल हो गए। ग्रामीणों की मदद से दोनों को सीएचसी पिनाहट पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत को देखते हुए आगरा रेफर कर दिया।

मीराबाई के जीवन पर नाट्य प्रस्तुति ने मोहा मन, मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

99 बार रक्तदान करने वाली नूतन अग्रवाल को मिला रक्तवीर सम्मान, जिलाधिकारी मनीष बंसल भी हुए सम्मानित

टीएनएफ टुडे, आगरा।

श्री अग्रवाल संघ की ओर से महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन प्रताप नगर स्थित श्रीराम पार्क में किया गया। महिलाओं की 35 सदस्यीय टीम ने मीराबाई के जीवन पर आधारित अद्भुत नाट्य प्रस्तुति दी ।

अध्यक्ष गौरव बंसल व वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल ने बताया कि जयपुर हाउस और प्रताप नगर क्षेत्र में रहने वाले वैश्य समाज के सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को मंच से मेडल एवं पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान संघ के संरक्षकों का भी सम्मान किया गया।

मार्गदर्शक विजय बंसल व मुख्य संरक्षक अमित जैन ने बताया कि कार्यक्रम में जिलाधिकारी मनीष बंसल को विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

वहीं, 16 वर्ष की उम्र से 66 वर्ष तक लगातार 99 बार रक्तदान करने वाले प्रताप नगर क्षेत्र की नूतन अग्रवाल को रक्तवीर सम्मान से नवाजा गया। समारोह के अंत में 54 लकी ड्रॉ निकाले गए, जिनमें चार मुख्य पुरस्कारों के तहत फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन और जूसर-ग्राइंडर जीतने का अवसर मिला। इस अवसर पर महामंत्री शशिकांत अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजीव अग्रवाल, संयोजक राजेश जिंदल, दीपक अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, रवि मंगल, मोहित अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, रिंकू जैन, निधि बंसल, सुनीता बंसल, सुनील मित्तल, संदीप गोयल, अनूप अग्रवाल, विजय गोयल, संजीव अग्रवाल, अनूप गोयल, प्रवीण अग्रवाल, प्रकाश गोयल, प्रभात गोयल आदि मौजूद रहे।

टोरंट पावर का ग्राहक सेवा महाशिविर नरीपुरा में आज

आगरा। शहर में विद्युत व्यवस्था संभाल रही टोरंट पावर द्वारा उपभोक्ताओं की बिजली सम्बन्धी समस्याओं के समाधान के लिए टीआर एस उत्सव भवन ज्ञान सिंह इंटर कॉलेज नरीपुरा जगनेर रोड पर बुधवार 14 अक्टूबर को ग्राहक सेवा महाशिविर का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 10 से शाम 5 बजे तक लगने वाले इस महाशिविर में टोरंट पावर के उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में उपभोक्ताओं की विद्युत सम्बन्धी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

अखिल भारतीय माथुर वैश्य महासभा की 139वीं जयन्ती धूमधाम से मनाई जायेगी

आगरा। अखिल भारतीय माथुर वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में माथुर वैश्य भवन पर एक बैठक आहुत की गई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि पूर्व की भाँति मण्डलीय परिषद आगरा द्वारा जयन्ती आश्विनी शुक्लमास की पंचमी दिन 15 अक्टूबर दिन गुरुवार को भवन पर मनाई जायेगी। हवन पूजन, महासभा ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा, जिसमें मण्डल की समस्त मंत्री परिषद सदस्यों, शाखा सभाएँ, महिला मण्डल, सेवादल, सेविकादल, भवन एवं अतिथि गृह के दानदाताओं की गरिमामई सहभागिता रहेंगी।

'देखि रूप लोचन ललचाने', पुष्प वाटिका में श्रीराम-सिया के नयनों ने रचा प्रेम का दिव्य संवाद

रामलीला में वन गमन, ताड़का वध और यज्ञ रक्षा का मंचन; गुरुवार को होगा धनुष यज्ञ

- पुष्प वाटिका में श्रीराम और सीता के प्रथम दर्शन का मंचन
- विश्वामित्र के साथ वन गए राम-लक्ष्मण
- ताड़का वध और यज्ञ रक्षा के दृश्यों ने जगाया वीररस
- धनुष यज्ञ लीला में सजेगा सीता स्वयंवर का प्रसंग

टीएनएफ टुडे, आगरा।

देखि रूप लोचन ललचाने, हरषे जनु निज निधि पहिचाने।। श्रीरामचरितमानस की इन चौपाइयों के भाव मंगलवार को श्रीमनःकामेश्वर रामलीला महोत्सव-2026 में जीवंत हो उठे। पुष्प वाटिका में प्रभु श्रीराम और जनकनंदिनी सीता के प्रथम दर्शन के मनोहारी मंचन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।श्रीमनःकामेश्वर ग्रामीण संस्थान, गढ़ी ईश्वरा, दिगनेर, शमशाबाद रोड पर आयोजित रामलीला में गिरिजा पूजन के लिए सखियों संग पुष्प वाटिका पहुंचीं माता सीता और गुरु विश्वामित्र की आज्ञा से पुष्प लेने आए श्रीराम-लक्ष्मण के प्रसंग का मंचन हुआ। श्रीराम और सीता के प्रथम दर्शन के दौरान प्रेम, लज्जा और मयार्दा के भाव कलाकारों ने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। आकर्षक सजावट और सखियों के संवाद ने मिथिला की छटा को मंच पर साकार कर दिया। इससे पहले महर्षि विश्वामित्र के अयोध्या पहुंचकर महाराज दशरथ से यज्ञ रक्षा के लिए श्रीराम को साथ भेजने का आग्रह करने, गुरु वशिष्ठ के समझाने पर श्रीराम-लक्ष्मण के वन गमन, ताड़का वध और यज्ञ की रक्षा के प्रसंग मंचित किए गए। राक्षसी शक्तियों के विरुद्ध दोनों भाइयों के पराक्रम के दृश्यों ने दर्शकों में वीररस का संचार किया। इसके बाद जनकपुर प्रवेश और पुष्प वाटिका के प्रसंग के साथ कथा आगे बढ़ी। श्रीमनःकामेश्वर मठ के महंत योगेश पुरी ने कहा कि विश्वामित्र के साथ वन गमन और यज्ञ रक्षा का प्रसंग गुरु के प्रति सम्मान, आज्ञापालन और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता है। वहीं पुष्प वाटिका का प्रसंग पवित्र प्रेम, विनम्रता और मर्यादित आचरण का संदेश देता है। मठ प्रशासक हरिहर पुरी ने बताया कि गुरुवार को धनुष यज्ञ लीला का मंचन होगा। सीता स्वयंवर में राजा-महाराजाओं के समक्ष भगवान शिव के विशाल धनुष को उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाने की चुनौती और इसके बाद के प्रसंग आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

दरगाह में अचानक बेहोश हुई विदेशी पर्यटक, सुरक्षाकर्मियों ने संभाला मोर्चा

फ्रांस निवासी करीब 65 वर्षीय महिला की तबीयत बिगड़ी, आगरा किया रेफर

- करीब 20 पर्यटकों के समूह के साथ आई थीं महिला
- दरगाह परिसर में अचानक बिगड़ी तबीयत
- सिक्योरिटी कमांडर मुकेश यादव जवानों के साथ पहुंचे
- स्ट्रेचर से बाहर निकालकर उपचार के लिए ले जाया

टीएनएफ टुडे, फतेहपुर सीकरी।

विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्मारक फतेहपुर सीकरी के भ्रमण पर आए विदेशी पर्यटकों के एक समूह में शामिल महिला की हजरत शेख सलीम चिश्ती की दरगाह पर अचानक तबीयत बिगड़ गई। महिला के बेहोश होने की सूचना पर स्मारक की सुरक्षा में तैनात कर्मियों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर सहायता की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, फ्रांस निवासी लॉरेंस नाम की महिला उम्र लगभग 65 वर्ष मंगलवार दोपहर को लगभग 20 पर्यटकों के समूह के साथ फतेहपुर सीकरी के ऐतिहासिक स्मारकों का भ्रमण करने आई थीं। भ्रमण के दौरान दरगाह परिसर में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गईं। घटना की जानकारी मिलते ही भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के स्मारक की सुरक्षा में तैनात सिक्योरिटी कमांडर मुकेश यादव अपने जवानों के साथ मौके पर पहुंचे। सुरक्षाकर्मियों ने महिला को स्ट्रेचर की सहायता से दरगाह परिसर से बाहर पहुंचाया। इसके बाद समूह के अन्य सदस्यों और गाइड की सहायता से महिला को उपचार के लिए आगरा ले जाया गया।

मतदाता सूची से कोई पात्र नाम न छूटे, एसआईआर अभियान पर मंथन

एसडीएम की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक, पुनरीक्षण कार्य में सहयोग की अपील

- युवा और छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने पर जोर
- बूथ स्तरीय अभिकताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील
- मतदाता सूची को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने पर चर्चा

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

तहसील सभागार में मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर)-2026 के बाद विशेष अभियान को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। उपजिलाधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी स्वाति शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने पर चर्चा की गई। बैठक में विशेष अभियान के तहत निर्धारित तिथियों पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पात्र मतदाताओं, विशेषकर युवा और ऐसे मतदाता जिनके नाम अभी तक सूची में शामिल नहीं हो सके हैं, उनके नाम जुड़वाने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाए। बैठक में मतदाता सूची पुनरीक्षण के कार्य को प्रभावी ढंग से पूरा करने तथा घोषणा पत्र के उपयोग और उससे जुड़ी प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अभियान में सक्रिय सहयोग देने की अपील की गई, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची में नाम शामिल होने से वंचित न रहे। इस दौरान तहसीलदार फतेहाबाद शिखर मिश्रा सहित भारतीय जनता पार्टी से योगेश चौहान, अंकित गुप्ता और मुकेश पचौरी, समाजवादी पार्टी से विवेक शर्मा, सौरभ शर्मा, महेश सिसोदिया, शैलेश यादव, राजेश शर्मा, आशीष शर्मा और अमन शेखर तथा ऑल इंडिया भाईचारा पार्टी से होतम सिंह निषाद, रविंद्र सिंह राजपूत और रूप सिंह राजपूत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बिजली चोरों पर विभाग का शिकंजा, 10 उपभोक्ता पकड़े गए

बिजली चोरी करने के आरोप में कार्रवाई, एफआईआर की प्रक्रिया शुरू

- तड़के चले चेकिंग अभियान से मचा हड़कंप
- मीटरों की जांच में सामने आए बिजली चोरी के मामले
- सभी 10 उपभोक्ताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू

फतेहाबाद। मंगलवार को फतेहाबाद टाउन के हाई पोटेंशियल लॉसेस क्षेत्रों में बिजली विभाग ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। तड़के चलाए गए इस छापामार अभियान से बिजली चोरी करने वालों में हड़कंप मच गया। टीम ने विभिन्न इलाकों में परिसरों की बिजली आपूर्ति और मीटरों की बारीकी से जांच की।

जांच के दौरान 10 उपभोक्ता मीटर को बाईपास कर अवैध रूप से बिजली चोरी करते हुए पकड़े गए। विभाग ने सभी मामलों में कड़ी कार्रवाई करते हुए संबंधित उपभोक्ताओं के खिलाफ विद्युत चोरी निरोधक थाना, कमला नगर आगरा में प्राथमिकी दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विद्युत विभाग ने क्षेत्र के उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और केवल वैध कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिजली चोरी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कानूनी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। चेकिंग अभियान के दौरान विद्युत उपखंड अधिकारी गौरव राजपूत, अवर अभियंता राजेश सिंह, दीपक कुमार, रमेश बाबू सहित विद्युत विभाग और पुलिस व कर्मचारी मौजूद रहे।

रामवनवास लीला का मंचन देख भावुक हुए श्रद्धालु

टीएनएफ टुडे, पिनाहट।

कस्बे के चौगान माता मंदिर के समीप रामलीला मैदान में चल रही ऐतिहासिक रामलीला के पांचवें दिन रामवनवास लीला का मंचन किया गया। लीला में दिखाया गया कि दासी मंथरा के बहकावे में आकर रानी कैकेयी ने राजा दशरथ से अपने दो वरदान मांगे। इनमें पहले वरदान के रूप में भगवान श्रीराम को 14 वर्ष का वनवास और दूसरे वरदान के रूप में भरत को अयोध्या का राजा बनाने की मांग की।

राजा दशरथ ने कैकेयी को समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ी रहीं। वचनबद्ध होने के कारण राजा दशरथ को भारी मन से भगवान श्रीराम को वनवास जाने की आज्ञा देनी पड़ी। पिता की आज्ञा का पालन करते हुए भगवान श्रीराम अपने छोटे भाई लक्ष्मण और पत्नी माता सीता के साथ वन की ओर प्रस्थान कर गए। पुत्र वियोग में व्याकुल राजा दशरथ ने अपने प्राण त्याग दिए।

रामवनवास और राजा दशरथ के पुत्र वियोग के प्रसंग का मंचन देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। इस दौरान रामलीला कमेटी के अध्यक्ष नवीन पाराशर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

रंगों से दिया स्वच्छता का संदेश, नन्हे कलाकारों ने दिखाई प्रतिभा

एत्मादपुर। उच्च प्राथमिक विद्यालय एत्मादपुर में मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026 को 'स्वच्छता ही सेवा' विशेष अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था।

इस विशेष अवसर पर बच्चों के लिए स्वच्छता विषय पर एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यालय के 60 बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया और रंगों के माध्यम से स्वच्छता का संदेश दिया। प्रतियोगिता की समाप्ति के बाद सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप मेडल एवं ट्रॉफियाँ वितरित की गईं। इसके साथ ही बच्चों के लिए जलपान की भी विशेष व्यवस्था की गई थी।

कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती नीमा एवं समस्त शिक्षक स्टाफ मौजूद रहा। वहीं, वन विभाग की ओर से वन दरोगा श्री चंद्रमोहन शर्मा, श्री नवनीत कुमार, बीट प्रभारी श्री रंजीत कुमार एवं वन कर्मी श्री ब्रजमोहन सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने बच्चों का मार्गदर्शन किया और उन्हें पर्यावरण बचाने की शपथ दिलाई।

TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday tnftoday
www.tnftoday.com / epaper

उभरता भारत नई आशाएं' कार्यक्रम में गूंजा विकास का संदेश युवाओं की भूमिका पर मंथन

देश का जेन जी स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को मानने वाला है

युवाओं के प्रयास से भारत का आने वाला युग होगा स्वर्णिम

टीएनएफ टुडे, आगरा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आगरा महानगर द्वारा 13 अक्टूबर को उभरता भारत, नई आशाएं कार्यक्रम का आयोजन डॉ भीमराव अंबेडकर विश्विद्यालय के संस्कृति भवन किया गया ।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ विपिन गुप्ता , डॉ मनुप्रताप सिंह , डॉ शार्दूल मिश्रा, प्रीति बघेल, व शिवांग खंडेलवाल ने स्वामी विवेकानंद जी एवं मां सरस्वती के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया ।

कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा बीते दिनों सम्पन्न हुए सदस्यता अभियान के माध्यम से सम्पर्क में आए नवीन छात्र छात्राओं के लिए किया गया कार्यक्रम में वक्ताओं ने उभरते भारत और उसमें नई आशाओं पर सभी छात्रों को संबोधित किया।

क्षेत्रीय संगठन मंत्री विपिन गुप्ता ने कहा अपने स्थापना के समय से निरन्तर छात्रहित समाज हित और देश हित की बात करने वाला अभाविप हर उस छात्र का दर्द समझती है जिसने पेपर लीक के चलते वर्ष भर की तैयारी को पानी में जाते देखा इसलिए सबसे पहले विद्यार्थी परिषद द्वारा एन टी ए के दफ्तर के बाहर आंदोलन किया गया।

जब जंतर मंतर पर पेपर लीक के विरोध के आंदोलन में शुरू हुआ उस आंदोलन ने विद्यार्थी के हित के बजाए भारत विरोधी देश विरोधी आंदोलन का रूप ले लिया कई लोगों ने कहा कि भारत का युवा पीढ़ी भारत को नेपाल और बांग्लादेश जैसा बना सकती है तब विद्यार्थियों ने विद्यार्थी परिषद पर भरोसा जताया और हमने

पंजाब विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्विद्यालय में छात्रसंघ चुनावों में जीत दर्ज कर बता दिया कि देश की युवा पीढ़ी ैल्ल ९ स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को लेकर चलने वाली है।

आज का भारत सिर्फ अपनी सीमाओं के भीतर नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर अपनी एक नई और सशक्त पहचान बना रहा है। तकनीक से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान तक, और मजबूत अर्थव्यवस्था से लेकर युवा ऊर्जा तक–हर क्षेत्र में 'उभरता भारत' आज दुनिया के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है ऐसे में हम सभी को अपने आने वाले समय में इस देश को निरन्तर उन्नति की ओर लेकर जाने की आवश्यकता है।

डॉ मनुप्रताप सिंह ने कहा हम बदलाव के उस दौर में जी रहे हैं जहाँ देश का हर नागरिक, विशेषकर हमारे युवा, आत्मनिर्भरता

और नवाचार के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यह सिर्फ आर्थिक विकास नहीं है, बल्कि यह एक नए और आत्मविश्वासी भारत का उदय है जो वैश्विक चुनौतियों का समाधान देने की क्षमता रखता है। आने वाला समय भारत का है, और हम सब मिलकर इसे एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए संकल्पबद्ध हैं।

आत्म निर्भर भारत तभी संभव है जब हम सभी युवा अपनी भूमिका का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें और भारत को विकास की ओर लेकर जाना है जिसमें सबसे अहम भूमिका आप सभी युवाओं की है और मुझे पूरा विश्वास है कि आप इस भारत को उसके स्वर्णिम कल तक पुनः लेकर जायेंगे।

कार्यक्रम की भूमिका महानगर मंत्री शिवांग खंडेलवाल ने रखी

संचालन प्रथम गोयल ने किया

इस अवसर पर प्रांत संगठन मंत्री अनुज ठाकुर ,प्रांत उपाध्यक्ष डॉ राजेश लवानिया, विभाग संगठन मंत्री रजत जोशी, पुनीत कुमार ,प्रीति बघेल, तपस्या त्रिपाठी, सुमित शर्मा, दीपक कश्यप ,नितिन दुबे ,रोनित परमार, रचित यादव, शिवम कोहली विवेक सिंह भुवनेश उपाध्याय जितेंद्र चौधरी, हर्ष तोमर मयंक प्रताप अश्वनी जाट सहित सभी कार्यकर्ता बंधु भगिनी उपस्थित रहे ।

एस.एन. मेडिकल कॉलेज में सफल सर्जरी

जटिल ऑपरेशन कर बचाई गई 40 वर्षीय मरीज की किडनी

- **बाहर के अस्पतालों में इलाज पर 6 लाख खर्च और दिल्ली जाने की सलाह दी गई थी, एसएनएमसी में हुआ निःशुल्क इलाज**

टीएनएफ टुडे, आगरा।

एस.एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा के चिकित्सा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। यहाँ डॉक्टरों ने एक जटिल सर्जरी को अंजाम देते हुए 40 वर्षीय मरीज के किडनी ट्यूमर का सफल ऑपरेशन किया है। लैप्रोस्कोपिक असिस्टेड पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी तकनीक के जरिए की गई इस सर्जरी में पूरी किडनी निकालने के बजाय केवल ट्यूमर को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला गया, जिससे मरीज की स्वस्थ किडनी पूरी तरह सुरक्षित बच गई है। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति अब पूरी तरह ठीक है।

मरीज ने पहले अन्य बड़े अस्पतालों में दिखाया था, जहाँ डॉक्टरों ने इलाज का खर्च करीब 6 लाख रुपये बताते हुए दिल्ली जाने की सलाह दी थी। आर्थिक तंगी और गंभीर चुनौतियों के बीच मरीज एस.एन. मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहाँ उनका यह जटिल इलाज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

डॉ. विजय त्यागी ने इस सफलता पर कहा कि आधुनिक सर्जिकल तकनीकों और विशेषज्ञ चिकित्सकों के बेहतर तालमेल से अब आगरा में ही गंभीर और जटिल बीमारियों का सफल इलाज संभव हो रहा है, जिससे मरीजों को महानगरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। वहीं, डॉ. अभिषेक पाठक ने स्पष्ट किया कि सीमित ट्यूमर के मामलों में पार्शियल नेफ्रेक्टॉमी का उद्देश्य कैंसरग्रस्त हिस्से को हटाते हुए स्वस्थ किडनी की कार्यक्षमता को सुरक्षित रखना होता है।

इस पूरी सर्जिकल प्रक्रिया में एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. अतिहार्ष मोहन, डॉ. प्रभा और डॉ. अमिता त्यागी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रही। एस.एन. मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं डीन डॉ. प्रशांत गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद मरीजों को आधुनिक और उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

विशेषज्ञों के अनुसार, किडनी में ट्यूमर जैसी समस्या होने पर समय पर जांच और योग्य यूरोलॉजिस्ट से परामर्श लेना बेहद जरूरी है।

11 ग्राम प्रहरियों को मिले मोबाइल और प्रशस्ति पत्र

- **मुख्यमंत्री के सजीव प्रसारण के बीच उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय और पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने किया सम्मानित**
- **मानदेय बढ़कर हुआ 3,500 रुपये, साथ ही प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की मिलेगी सुविधा**

टीएनएफ टुडे, आगरा।

पुलिस सहयोग और अपराध नियंत्रण में सराहनीय योगदान देने वाले प्रदेश के 68,000 ग्राम प्रहरियों के सम्मान में पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नाथ नगरी बरेली से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उद्बोधन का सजीव प्रसारण उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और ग्राम प्रहरियों ने देखा व सुना।

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, विधायक चौधरी बाबूलाल, पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार, जिलाधिकारी मनीष बंसल और अपर आयुक्त पुलिस सचिन्द्र पटेल की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले 11 ग्राम प्रहरियों को मोबाइल फोन और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

राज्य सरकार द्वारा ग्राम प्रहरियों का मानदेय 40 प्रतिशत बढ़ाकर 2,500 रुपये से 3,500 रुपये कर दिया गया है। इसके साथ ही उन्हें प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सौगात भी मिली है, जिससे ग्राम प्रहरियों में भारी उत्साह देखने को मिला।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि ग्राम प्रहरी सेवा भाव से गांवों में शांति और सुरक्षा बनाए रखते हैं। मानदेय वृद्धि सरकार की उनके प्रति संवेदनशीलता का प्रतीक है।

पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने कहा कि प्रथम चरण में इन 11 प्रहरियों को मोबाइल दिए गए हैं और चरणबद्ध तरीके से आगरा के सभी लगभग 850 ग्राम प्रहरियों को मोबाइल उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे पुलिस के साथ उनका संवाद और अधिक प्रभावी हो सके। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि ग्राम प्रहरी पुलिस और जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जिनके सजग प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होती है। इस दौरान पुलिस विभाग के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

ब्रज भोग मिष्ठान भंडार पर छापा: तीन ठिकानों पर एसजीएसटी टीम खंगाल रही दस्तावेज

टीएनएफ टुडे, आगरा।

कर चोरी के शक में राज्य वस्तु एवं सेवा कर (एसजीएसटी) ने मंगलवार को शहर के प्रमुख मिठाई विक्रेता ब्रज भोग मिष्ठान भंडार के तीन ठिकानों पर एक साथ जांच शुरू की। दोपहर दो बजे शुरू हुई यह कार्रवाई रात 11 बजे तक जारी रही। विभाग को प्रतिष्ठान द्वारा बिना बिल माल बेचने और टर्नओवर कम दिखाने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं।

एसजीएसटी की तीन टीमों में शामिल 27 अधिकारियों ने मिष्ठान कारोबारी के प्रतिष्ठान की मोती कटरा और जयपुर हाउस ब्रांच के साथ-साथ लोहामंडी स्थित निर्माण इकाई पर एक साथ दस्तावेजों को खंगालना शुरू किया। विभागीय सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ समय से शिकायत मिल रही थी कि मोती कटरा स्थित ब्रांच से ग्राहकों को पक्का बिल नहीं दिया जा रहा है। इसके अलावा, शुरूआती जांच में यह बात भी सामने आई है कि मिठाई विक्रेता द्वारा अपने अभिलेखों में कच्चे माल की खरीद तो अधिक दिखाई गई है, लेकिन उसके अनुपात में तैयार माल की बिक्री काफी कम दर्शाई जा रही थी।

"रात तक जांच जारी है। प्रतिष्ठान में मौजूद स्टॉक और बिक्री के आंकड़ों को कब्जे में लेकर उनका बारीकी से विश्लेषण किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद ही सर्वे की वास्तविक स्थिति बताएंगे।"

-अंजनी अग्रवाल, अपर आयुक्त ग्रेड -2, एसजीएसटी आगरा

खेरिया-ईदगाह आरओबी कल से बंद: तीन माह तक रहेगी परेशानी, विरोध में लोगों ने किया पुलिस चौकी पर हंगामा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

खेरिया-ईदगाह रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) बुधवार सुबह चार बजे से तीन माह के लिए बंद कर दिया जाएगा। पुल के दो स्पैन बदलने पर 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे और रेलवे ने 15 जनवरी 2027 तक काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है। पुल बंद होने से रोजाना गुजरने वाले हजारों लोगों को वैकल्पिक रास्तों से निकलना होगा। इससे खेरिया मोड़, अर्जुन नगर और आसपास के क्षेत्रों में यातायात का दबाव बढ़ेगा। साथ ही दूरी बढ़ने से लोगों को परेशानी होगी।

आगरा रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि खेरिया मोड़ स्थित रेलवे ओवरब्रिज संख्या 1343/3 की मरम्मत का काम शुरू कराया गया है। रेल और जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क यातायात बंद किया गया है। रेलवे ने अर्जुन नगर तिराहे से बारह खंभा डबल फाटक मार्ग (रेलवे फाटक संख्या 75) से यातायात निकालने की व्यवस्था की है।

भारी वाहनों को मलपुरा-रोहता नहर और ग्वालियर रोड से गुजारा जाएगा। रेलवे ने 13 अक्तूबर से

आवागमन बंद करने का नोटिस बोर्ड लगाया था लेकिन मंगलवार को भी वाहन गुजरते रहे। प्रशासन की अनुमति मिलने के बाद यातायात बंद किया गया। रेलवे अपने हिस्से के दो स्पैन बदलेगा। पुल के शेष सड़क संबंधी हिस्से और सड़क के रखरखाव की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। 1970 में बने इस पुल की निर्धारित वैधता 50 वर्ष थी जो पूरी हो चुकी है। मौजूदा समय में पुल काफी पुराना और कमजोर हो चुका है।

पहले बारह खंभा आरओबी का रास्ता दुरुस्त हो, फिर खेरिया आरओबी पर काम

ईदगाह-खेरिया मोड़ रेलवे पुल को 90 दिन के लिए बंद करने के विरोध में मंगलवार को क्षेत्रीय लोगों ने पुलिस चौकी पर हंगामा करते हुए प्रदर्शन किया। लोगों ने कहा कि पहले बारह खंभा आरओबी के रास्ते को दुरुस्त किया जाए, उसके बाद ही खेरिया आरओबी पर काम शुरू हो।

क्षेत्रीय निवासी दिग्विजय सिंह का कहना था कि बारह खंभा आरओबी का निर्माण कार्य पहले से अधूरा पड़ा है। रास्ता नहीं होने से लोगों को परेशानी हो रही है। ऐसे में खेरिया मोड़ पुल बंद होने से यातायात व्यवस्था बिगड़ जाएगी। लोगों ने मांग की कि यातायात सुचारू रखने के लिए 50 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाए। उन्होंने रास्ते से अतिक्रमण हटाने की बात भी कहीं, मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। प्रदर्शन में दिग्विजय सिंह, कन्हैया राय, ललित शर्मा, जितेंद्र कुशवाह, राजेश यादव, गोपाल वर्मा, जितेंद्र खन्ना, दिलीप वर्मा, अशोक कुमार, श्याम सुंदर, कुलदीप खेरा, अजय मोटवानी, देवेंद्र, अंजलि और उमा आदि मौजूद रहे।

कृषि तकनीकों और विपणन जानकारी हेतु विशेष स्टॉल

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जनपद के किसानों को अधिक फसल उत्पादन और कृषि संबंधी आधुनिक तकनीकों से अवगत कराने के उद्देश्य से अलीगढ़, आगरा एवं बरेली मंडल की संयुक्त मण्डलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी-2026 का आयोजन 14 अक्टूबर 2026 को कमिश्नर सभागार, आगरा में किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण गोष्ठी को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने जानकारी दी है कि इस संयुक्त गोष्ठी में तीनों मंडलों के कार्यक्षेत्र में स्थित राज्य कृषि विश्वविद्यालय तथा अग्रणी 3 से 5 कृषि विज्ञान केंद्र विशेष रूप से प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम स्थल पर कृषकों को नवीनतम कृषि तकनीकों, उन्नत बीजों और फसल विपणन (मार्केटिंग) की विस्तृत जानकारी देने के लिए विभिन्न विभागों और संस्थानों द्वारा स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

इस आयोजन के सफल संचालन, समन्वय और शासन के दिशा-निर्देशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित करने के लिए

- **डीएम मनीष बंसल ने जनपद में सफल आयोजन के लिए उऊद को बनाया नोडल अधिकारी, सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश**

जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी, आगरा को नोडल अधिकारी नामित किया है। संबंधित सभी विभागों और जनपदों के अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध और सुव्यवस्थित रूप से पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

अधिवक्ता पर हमले से भड़के वकील, दो दिन का अल्टीमेटम; गिरफ्तारी नहीं तो आंदोलन

फतेहाबाद। साथी अधिवक्ता के साथ मारपीट करने वाले नामजद व्यक्तियों की गिरफ्तारी न होने पर अधिवक्ताओं में रोष शमशाबाद पुलिस को दिया दो दिन का अल्टीमेट नहीं तो होगा आंदोलन। मंगलवार को बार एसोसिएशन फतेहाबाद की एक बैठक अध्यक्ष पंकज गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें साथी अधिवक्ता अनिल शर्मा के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी न होने को लेकर रोष व्यक्त किया गया और वहीं अधिवक्ताओं ने मांग की कि आरोपियों की दो दिन के अंदर पकड़कर जेल नहीं भेजा गया तो अधिवक्ता आंदोलन करने को मजबूर होंगे इसके लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा। इस अवसर पर जयपाल सिंह यादव, ज्ञानेंद्र सिंह, दिनेश पाठक, शैलेंद्र वशिष्ठ, वीरेंद्र सिंह तोमर, भूपेंद्र सिंह, लक्ष्मी नारायण धाकरे, रविदास शर्मा, सहदेव सिंह, दयाशंकर, राजवीर उपाध्यक्ष, देवेंद्र सिंह कुशवाहा, प्रमोद कुमार ,अकरम खान, सुगंधी शर्मा ,रणजीत बघेल, रविंद्र होलकर, देवेंद्र गुर्जर, त्रिलोकी नाथ, देवेंद्र पाठक, पवन शर्मा के साथ अन्य अधिवक्ता उपस्थित थे।

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

सऊदी अरब पर नए हमले और वैश्विक शांति के समक्ष खड़े होते गंभीर खतरे

मध्य पूर्व के संवेदनशील भू-राजनीतिक परिदृश्य में सऊदी अरब पर हाल ही में हुए हमलों ने एक बार फिर इस कड़वे सच को उजागर कर दिया है कि दुनिया का यह ऊर्जा संपन्न क्षेत्र अभी भी स्थायी शांति और सुरक्षा से कोसों दूर है। वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले तेल भंडारों और रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाकर किए जाने वाले इस तरह के दुस्साहसिक हमले न केवल खाड़ी देशों की संप्रभुता पर सीधा प्रहार हैं, बल्कि इनसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने का खतरा भी पैदा हो जाता है। जब भी इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, उसका सीधा असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम नागरिकों की जेब पर पड़ता है, जिसे अब और अधिक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। घटना के इन पहलुओं का विश्लेषण करें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि क्षेत्रीय वर्चस्व की लड़ाई और छद्म युद्धों की आग में पूरा मध्य पूर्व सुलग रहा है, जहाँ विभिन्न विद्रोही गुट और बाहरी ताकतें अपनी रोटियां सेकने के लिए मासूमों की जिंदगी और वैश्विक स्थिरता को दांव पर लगा रही हैं। सऊदी अरब की सुरक्षा व्यवस्था को भेदकर इस प्रकार के हमले होना यह बताता है कि आतंकवाद और सामरिक अराजकता के नए तौर-तरीके कितनी तेजी से विकसित हो रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंचों को अब कागजी बयानों और औपचारिक निंदाओं से बाहर निकलकर इस गंभीर संकट के खिलाफ ठोस और निर्णायक कदम उठाने होंगे, अन्यथा यह चिंगारी एक दिन पूरे विश्व को अपनी चपेट में ले सकती है। तथापि, कूटनीति और संवाद के रास्ते हमेशा खुले रहने चाहिए, किंतु इसका यह अर्थ कतई नहीं है कि शांति के नाम पर आतंकवाद और हिंसा को खुली छूट दे दी जाए। आवश्यकता इस बात की है कि वैश्विक महाशक्तियां और क्षेत्रीय देश अपनी आपसी खींचतान को छोड़कर आतंकवाद के खात्मा और ऊर्जा सुरक्षा की बहाली के लिए एक मंच पर आएं। जब तक इस प्रकार के हमलों के मास्टरमाइंडों और उन्हें समर्थन देने वाली ताकतों को कड़ा सबक नहीं सिखाया जाएगा, तब तक दुनिया के किसी भी कोने में अमन और चैन की कल्पना करना बेमानी होगा।

लड़ाई समोसा, कचौड़ी की नहीं, न्याय की है!

बृज खंडेलवाल

क्या होगा जब किसी पार्क में एक नाबालिग लड़की के साथ कथित सामूहिक बलात्कार हो और इंसाफ की मांग का शोर चंद मिनटों में तुकबंदी के मुकाबले में बदल जाए?

जरूर, पुलिस से जवाब मांगे जाने चाहिए, अफसरों की जवाबदेही तय होनी चाहिए और बेटियों की हिफाजत सुनिश्चित होनी चाहिए। लेकिन दिल्ली में एक गंभीर वारदात के बाद सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे नारे छा गए, मानो इंसाफ की लड़ाई नहीं, कोई हास्य कवि सम्मेलन चल रहा हो!

सवाल सीधा है। क्या दिल्ली के नामी कॉलेजों में गूंजते ये नारे देश की आधी आबादी की असली आवाज हैं, या फिर चंद खुशहाल घरों की बेटियों का गुस्सा, जिसे सोशल मीडिया ने सिर आंखों पर बिठा लिया है?

21 सितंबर 2026 की शाम दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास आस्था कुंज पार्क में एक 17 वर्षीय लड़की अपना जन्मदिन मना रही थी। वह एक पुरुष मित्र के साथ थी। आरोप है कि तीन लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। दिल्ली पुलिस ने 12 घंटे के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

लेकिन पार्क की बदइंतजामी भी सामने आई। कई प्रवेश द्वारों पर सीसीटीवी कैमरे नहीं थे। अंधेरा था और सुरक्षा गार्डों की भी कमी थी। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली के पार्कों की सुरक्षा जांचने के आदेश दिए। दिल्ली विकास प्राधिकरण ने सूर्यास्त के बाद प्रवेश पर पाबंदी लगाई और निगरानी बेहतर करने का भरोसा दिया। मगर सवाल है कि आखिर एक लड़की का जन्मदिन खौफनाक हादसे में क्यों बदल गया? बेटियों को अपनी आजादी की कीमत डर और पाबंदियों से क्यों चुकानी पड़े?

घटना के बाद लेडी श्रीराम कॉलेज, मिरांडा हाउस, गार्गी और कमला नेहरू कॉलेज की छात्राएं ह्यहम औरतें आजाद हैंह्ण के बैनर तले सड़कों पर उतरीं।

कुछ नारे असरदार थे, तो कुछ ने गंभीर आंदोलन को कैंटीन की गपशप जैसा बना दिया।

'एक कचौरी, दो समोसा, इन मर्दों का क्या भरोसा!'

'एक सिगरेट, दो चाय, मर्द जात हाय हाय!'

'मेरे सर में दर्द है, इसका कारण मर्द है!'

और फिर फरमाया गया, ''हमारी स्कर्ट नहीं है छोटी, इन मर्दों की सोच है छोटी!''

वाह! तुकबंदी ऐसी कि इंस्टाग्राम पर रीलें बन जाएं। गुस्सा भी जाहिर हो गया और मनोरंजन का इंतजाम भी हो गया।

लेकिन जनाब, जरा ठहरिए! क्या इन नारों से पार्कों की बत्तियां जल उठेंगी? क्या गायब सीसीटीवी कैमरे अपने आप लग जाएंगे? क्या पुलिस की गश्त बढ़ जाएगी? और क्या अदालतों में वर्षों से लटके मुकदमे फटाफट निपटने लगेंगे?

नारे ध्यान खींच सकते हैं, मगर सुरक्षा का इंतजाम नहीं कर सकते।

हालांकि छात्राओं ने कुछ बेहद जरूरी बातें भी उठाईं। 'रेपिस्ट को अंदर करो, लड़कियों को नहीं' जैसे नारे ने उस पुरानी सोच पर चोट की, जिसमें अपराधी को पकड़ने के बजाय लड़कियों पर पाबंदियां लगा दी जाती हैं।

एक और संदेश था कि बेटियों की लोकेशन पूछने के बजाय बेटों की नीयत जांचिए।

बिल्कुल सही! बेटी कहां गई, क्या पहना और किससे मिली, इन सवालों की लंबी फेहरिस्त बनाने वाले परिवारों को बेटों के व्यवहार पर भी गौर करना चाहिए।

मगर अफसोस, गंभीर संदेश अक्सर मसालेदार तुकबंदी के शोर में दब जाते हैं।

अब असली सवाल पर आइए। क्या दिल्ली के नामी कॉलेजों में पढ़ने वाली छात्राएं करोड़ों भारतीय महिलाओं की नुमाइंदगी करती हैं?

एक खेत में मजदूरी करने वाली महिला, मुंबई के घरों में बर्तन मांजने वाली कामगार, उत्तर प्रदेश के किसी गांव की बहू और दिल्ली के किसी बड़े कॉलेज की छात्रा, सभी को सुरक्षा और सम्मान चाहिए। लेकिन उनकी जिंदगी की मुश्किलें एक जैसी नहीं हैं।

किसी लड़की के लिए आजादी का मतलब अपनी पसंद के कपड़े पहनना हो सकता है। किसी दूसरी के लिए इसका मतलब स्कूल पूरा करना है। किसी महिला के लिए नौकरी पाना आजादी है, तो किसी के लिए घरेलू हिंसा से छुटकारा।

गरीब महिला के सामने अक्सर रोटी, रोजगार और छत की चिंता खड़ी होती है। उसकी आजादी परिवार की आर्थिक हालत से भी जुड़ी होती है। कई महिलाओं के लिए परिवार ही मुश्किल वक्त का सहारा है।

पब्लिक कमेंटेटर प्रोफ पारस नाथ चौधरी कहते हैं, "इसका मतलब यह नहीं कि पुरानी परंपराओं पर सवाल नहीं उठने चाहिए। लेकिन हर परिवार, हर पुरुष और हर सामाजिक रिश्ता दुश्मन नहीं होता।

भारतीय नारी आंदोलन ने शिक्षा, संपत्ति में अधिकार, घरेलू हिंसा से सुरक्षा और रोजगार के बराबर अवसरों के लिए लंबी लड़ाई लड़ी है। यह संघर्ष केवल नारों से नहीं, बल्कि कानून, सामाजिक सुधार और लगातार मेहनत से आगे बढ़ता है। देश में महिलाओं की रोजगार में भागीदारी बढ़ी है, लेकिन रास्ता अभी लंबा है। गांवों और शहरों, अमीरों और गरीबों के बीच बड़ा फर्क मौजूद है।"

क्या इन महिलाओं की आवाज इसलिए कम अहम है, क्योंकि वे सोशल मीडिया पर वायरल नहीं होतीं?

सोशल एक्टिविस्ट पद्मिनी अय्यर कहती हैं, "छात्राओं को विरोध करने का पूरा हक है। गुस्सा जायज है। व्यंग्य और हास्य भी समाज की बुराइयों पर चोट कर सकते हैं। लेकिन आंदोलन की असली परीक्षा अगले दिन होती है, जब कैमरे हट जाते हैं और भीड़ अपने घर लौट जाती है।

पार्कों में रोशनी कौन सुनिश्चित करेगा? सीसीटीवी कैमरों की निगरानी कौन करेगा? पुलिस की गश्त पर नजर कौन रखेगा? पीड़िताओं को कानूनी मदद कौन देगा? अदालतों में मुकदमों की सुनवाई तेज कराने के लिए कौन आवाज उठाएगा?

युवा एडवोकेट, अंकुर के मुताबिक, "बलात्कार के मामलों में सजा की दर को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है, हालांकि आंकड़े अलग-अलग राज्यों, अदालतों और अवधियों के अनुसार बदलते हैं। गिरफ्तारी इंसाफ की पहली सीढ़ी है, आखिरी मंजिल नहीं। निष्पक्ष जांच, मजबूत सबूत और समय पर सुनवाई भी जरूरी हैं।"

सरकार केवल घोषणाएं करके अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। इसी तरह आंदोलनकारी भी नारे लगाकर अपना फर्ज पूरा नहीं मान सकते।

सामाजिक कार्यकर्ता मुक्त गुप्ता कहती हैं, " एक बात याद रखिए। सभी पुरुषों को एक ही तराजू में तौलना भी इंसाफ नहीं है। लड़ाई पुरुषों से नहीं, बल्कि अपराधी सोच, यौन हिंसा, दबंगई और दोषियों को बचाने वाली व्यवस्था से होनी चाहिए। पुरुषों को भी इस लड़ाई में भागीदार बनाना होगा।"

भारत को आंदोलनों की जरूरत है, मगर ऐसे आंदोलनों की जो कॉलेजों की चारदीवारी से निकलकर आम महिलाओं की जिंदगी से जुड़ें।

छात्राएं सुरक्षित पार्कों, बेहतर पुलिस व्यवस्था, तेज सुनवाई और पीड़िताओं की मदद के लिए अभियान चलाएं। मजदूर महिलाओं, ग्रामीण संगठनों, वकीलों, शिक्षकों और सामाजिक कार्यकताओं के साथ मिलकर काम करें। सोशल मीडिया का इस्तेमाल भी हो, लेकिन वायरल वीडियो ही आंदोलन की मंजिल न बन जाएं। आस्था कुंज की घटना प्रशासन की नाकामी पर सवाल उठाती है। इसका जवाब यह नहीं हो सकता कि लड़कियां शाम के बाद घरों में बैठी रहें और खतरनाक जगहों की बदइंतजामी जस की तस बनी रहे।

आखिर आंदोलन की कामयाबी लाइक, शेयर और तालियों से नहीं, जिंदगी में आए बदलाव से मापी जानी चाहिए।

एक नारा कॉलेज हिला सकता है। लेकिन असली क्रांति तभी होगी, जब उसका असर सड़क, गांव, दफ्तर और घर तक पहुंचे। जब आम महिला बिना खौफ जी सके, तभी समझिए कि नारेबाजी ने इंसाफ की राह पकड़ी है।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

चित्रकूट के घाट पर गोस्वामी तुलसीदास जी को इस तरह मिले थे भगवान श्रीराम

भक्तमाल और मध्यकालीन संत साहित्यों के स्वर्णिम इतिहास में गोस्वामी तुलसीदास जी का जीवन भगवान श्रीराम के प्रति अगाध समर्पण, अटूट निष्ठा और अनन्य प्रेम का एक ऐसा जीवंत दस्तावेज है जो युगों-युगों तक मानवता को प्रेरित करता रहेगा। तुलसीदास जी ने जब काशी और चित्रकूट की पावन भूमि पर बैठकर महाकाव्य रामचरितमानस की रचना प्रारंभ की थी, तब उनके जीवन में एक ऐसा परम पावन और अद्भुत प्रसंग आया था जिसने भारतीय आध्यात्मिक जगत में इतिहास रच दिया था। यह वह प्रसंग है जब तुलसीदास जी को चित्रकूट के मंदाकिनी तट पर भगवान श्रीराम के साक्षात और प्रत्यक्ष दर्शन प्राप्त हुए थे। घटना उन दिनों की है जब तुलसीदास जी चित्रकूट के तट पर बैठकर नित्य प्रतिदिन प्रातःकाल चंदन घिसकर भगवान को अर्पित किया करते थे। उसी समय उनके परम आराध्य और इष्टदेव हनुमान जी एक अलौकिक व्यवस्था के तहत हर दिन एक कुष्ठ रोगी के रूप में उनके पास आते थे और उनसे भगवान श्रीराम के दर्शन कराने की अपनी तीव्र इच्छा व्यक्त करते थे। तुलसीदास जी उस दिव्य भक्त की सेवा भाव और लगन को देखकर भीतर से पूरी तरह विचलित हो जाते थे किंतु समय की अपनी सीमाएं थीं। एक दिन जब तुलसीदास जी चित्रकूट के घाट पर बैठकर नियम के अनुसार चंदन घिस रहे थे, तब उनके पास दो अत्यंत ही मनमोहक और अलौकिक रूप से सुंदर बालक आए। उन दोनों बालकों के चेहरे पर ऐसा अद्भुत तेज और सम्मोहक आकर्षण था कि जो भी उन्हें देखता बस देखता ही रह जाता। उन बालकों ने अत्यंत मधुर स्वर में तुलसीदास जी से कहा कि हे संतवर क्या आप हमें अपने हाथों से थोड़ा सा चंदन लगा सकते हैं। बालकों की उस मासूमियत और दिव्य सौंदर्य को देखकर तुलसीदास जी की आंखें आनंद के अश्रुओं से भर गईं और वे उस अलौकिक रूप में इतने अधिक मग्न हो गए कि वे यह भूल ही गए कि वे दोनों बालक कोई साधारण मनुष्य नहीं हैं। तुलसीदास जी ने प्रेम से भरकर उन दोनों बालकों के मस्तक पर अपने हाथों से वह पावन चंदन लगाया और उनके कोमल अंगों को देखकर उनका मन पूरी तरह तृप्त हो गया। उसी समय पास ही एक वृक्ष की डाल पर बैठे हनुमान जी ने जब यह देखा कि तुलसीदास जी अपने साक्षात प्रभु को सामने पाकर भी उन्हें पहचान नहीं पा रहे हैं, तब उन्होंने एक तोते का रूप धारण किया और एक अत्यंत ही मर्मस्पर्शी और प्रसिद्ध दोहा अपनी वाणी में गुनगुनाया। हनुमान जी ने तोते के रूप में संकेत देते हुए कहा कि चित्रलिखित के घाट पर भइ संत सनमान, चंदन लगावत राम को जानत नहीं अनजान। इस दोहे को सुनते ही तुलसीदास जी की आंतरिक चेतना अचानक जागृत हुई और उन्होंने जैसे ही उन दोनों बालकों की ओर दोबारा देखा, उन्हें यह समझते देर नहीं लगी कि वे कोई और नहीं बल्कि स्वयं उनके आराध्य प्रभु श्रीराम और उनके छोटे भाई लक्ष्मण हैं जो बाल रूप में उन्हें दर्शन देने आए थे। तुलसीदास जी यह अहसास होते ही तुरंत जमीन पर गिर पड़े और अपने आराध्य के चरणों में लिपटकर जोर-जोर से विलाप करने लगे कि हे प्रभु आपकी यह कैसी माया है कि आप मेरे इतने पास आए और मैं आपको पहचान तक नहीं सका। भगवान श्रीराम ने अपनी प्रेम भरी मंद-मंद मुस्कान के साथ अपने उस परम भक्त को अपने दोनों हाथों से उठाया, उन्हें अपने हृदय से लगाया और आशीर्वाद दिया कि आपका यह परिश्रम और ग्रंथ संसार के लिए मार्गदर्शक बनेगा। यह पावन और अनसुना प्रसंग हमें यह परम ज्ञान और गहरी सीख देता है कि जो साधक या भक्त अपने जीवन का एक-एक क्षण भगवान की आराधना और सच्चे प्रेम में समर्पित कर देता है, उसके जीवन में भगवान किसी न किसी रूप में अवश्य प्रकट होते हैं और उसे अपने साक्षात दर्शनों से कृतार्थ करते हैं।

महाराजा अग्रसेनः एक ईंट, एक रुपये में छिपा सामाजिक न्याय और अंतिम जन के स्वावलंबन का दर्शन

डॉ. दीपक गोस्वामी

महाराजा अग्रसेन का स्मरण केवल एक ऐतिहासिक अथवा धार्मिक परंपरा का स्मरण नहीं है, बल्कि उस सामाजिक आदर्श का पुनर्स्मरण है जिसमें समृद्धि का अर्थ केवल धन का संचय नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीने का अवसर देना है। उनसे जुड़ी ह्यएक ईंट, एक रुपयाह्ण की परंपरा इसी लोककल्याणकारी भावना का प्रतीक है। इसमें एक ईंट आश्रय का और एक रुपया आजीविका आरंभ करने के अवसर का संकेत देता है। यह संदेश आज भी प्रासंगिक है कि किसी नवागंतुक, निर्धन अथवा विपन्न व्यक्ति को केवल सहानुभूति नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर बनने के साधन मिलने चाहिए।

महाराजा अग्रसेन के व्यक्तित्व और जीवनकाल के संबंध में अनेक परंपरागत मान्यताएँ प्रचलित हैं। उनके जीवन की सभी घटनाओं, वंशावली और शासन-व्यवस्था का समकालीन ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है। इसलिए आस्था से जुड़ी कथाओं का सम्मान करते हुए उन्हें निर्विवाद ऐतिहासिक तथ्य बताना उचित नहीं होगा। किंतु उनसे संबद्ध सामाजिक आदर्शों का विवेकपूर्ण अध्ययन आज के समाज को न्याय, सहयोग और मानवीय गरिमा की दिशा में प्रेरित कर सकता है।

अग्रसेन की परंपरा में सबसे महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि उनके राज्य की सीमाएँ कितनी विस्तृत थीं, बल्कि यह है कि समाज में सबसे कमजोर व्यक्ति का स्थान कितना सुरक्षित था। किसी राजा की वास्तविक महानता उसके खजाने, सेना अथवा महल की ऊँचाई से नहीं, बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए कि उसके राज्य में निर्धन व्यक्ति को अवसर मिलता था या नहीं, श्रमिक को सम्मान मिलता था या नहीं और व्यापार में ईमानदारी का मूल्य था या नहीं।

परंपरा के अनुसार महाराजा अग्रसेन सूर्यवंशी क्षत्रिय राजा माने जाते हैं। अग्रवाल समाज उन्हें अपना आदिपुरुष मानता है। उनकी पत्नी माधवी, अठारह पुत्रों और अठारह गोत्रों से जुड़ी कथाएँ समाज की सांस्कृतिक स्मृति का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन विवरणों को समझते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि परंपरागत वंशावलियाँ और पुरातात्त्विक प्रमाण अलग-अलग प्रकार के साक्ष्य हैं।

उनके जीवन से जुड़ी एक लोकप्रिय कथा यज्ञ में पशुबलि के प्रसंग की है। कथा के अनुसार, एक अश्व की पीड़ा देखकर

उनके भीतर करुणा जागी और उन्होंने हिंसक बलि की परंपरा से विमुख होकर अहिंसा का मार्ग चुना। इस घटना का स्वतंत्र समकालीन प्रमाण उपलब्ध नहीं है, इसलिए इसे प्रमाणित ऐतिहासिक घटना के बजाय प्रचलित परंपरागत आख्यान के रूप में समझना चाहिए। फिर भी इसका नैतिक संदेश स्पष्ट है—धर्म का मूल्य केवल अनुष्ठान से नहीं, बल्कि जीवों के प्रति करुणा और व्यवहार की पवित्रता से भी निर्धारित होता है।

अहिंसा का अर्थ केवल किसी जीव को शारीरिक पीड़ा न पहुँचाना नहीं है। किसी भूखे को भोजन से वंचित रखना, किसी निर्धन का शोषण करना, श्रमिक का उचित पारिश्रमिक रोकना और किसी विवश व्यक्ति की मजबूरी से अनुचित लाभ उठाना भी मानवीय संवेदना के विरुद्ध है। अग्रसेन की परंपरा को यदि हम आज के जीवन में उतारना चाहते हैं, तो व्यापार में सत्य, व्यवहार में न्याय और समाज में सहयोग को अपना मूलमंत्र बनाना होगा।

अग्रोहा का ऐतिहासिक महत्त्व भी इस विमर्श को ठोस धरातल प्रदान करता है। हरियाणा के हिसार जिले के निकट स्थित अग्रोहा का प्राचीन टीला एक महत्त्वपूर्ण पुरातात्त्विक स्थल है। हरियाणा पर्यटन विभाग के अनुसार, यहाँ से अग्रोदक नाम से संबंधित मुद्राएँ मिली हैं। विभिन्न उत्खननों में प्राचीन बस्ती, आवासीय संरचनाओं, बौद्ध स्तूप और हिंदू मंदिर के अवशेष प्राप्त हुए हैं। पुरातात्त्विक साक्ष्य इस क्षेत्र की प्राचीन नगरीय गतिविधियों और व्यापारिक महत्ता को समझने में सहायक हैं। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, यहाँ की सांस्कृतिक परतें लगभग चौथी शताब्दी ईसा पूर्व से मध्यकाल तक फैली हुई हैं। इन प्रमाणों से अग्रोहा की प्राचीनता और महत्ता सामने आती है, लेकिन इनके आधार पर महाराजा अग्रसेन के जीवन की प्रत्येक प्रचलित कथा, पाँच हजार वर्ष पुराने राज्य अथवा विश्व के प्रथम गणतंत्र होने के दावे को स्वतः प्रमाणित नहीं माना जा सकता। इतिहास के प्रति सच्ची निष्ठा यही है कि जहाँ प्रमाण हों, वहाँ तथ्य कहें; जहाँ परंपरा हो, वहाँ परंपरा का उल्लेख करें; और जहाँ जानकारी अधूरी हो, वहाँ अनिश्चितता स्वीकार करें।

अब आइए उस आदर्श पर, जिसने महाराजा अग्रसेन की स्मृति को पीढ़ियों तक जीवित रखा है—एक ईंट, एक रुपया। प्रचलित परंपरा के अनुसार, अग्रोहा में बसने आने वाले नए परिवार की सहायता के लिए प्रत्येक परिवार एक ईंट और एक रुपया देता था। एक ईंट घर बनाने में सहयोग का प्रतीक थी और एक रुपया आजीविका आरंभ करने के लिए आर्थिक सहायता का। इस परंपरा का ऐतिहासिक स्वरूप और उसके लागू होने की पूरी व्यवस्था स्वतंत्र रूप से प्रमाणित नहीं है; फिर भी इसका सामाजिक संदेश असाधारण महत्त्व रखता है।

कल्पना कीजिए, किसी गाँव में एक परिवार रोजी-रोटी की तलाश में आता है। उसके पास रहने के लिए घर नहीं, काम शुरू करने के लिए पूँजी नहीं और समाज में कोई परिचित भी नहीं। यदि गाँव के सौ परिवार उसे थोड़ी-थोड़ी सहायता दें, कोई काम सीखने का अवसर दे, कोई औजार उपलब्ध कराए और कोई शुरूआती माल उधार दे, तो वही परिवार कुछ समय बाद अपने पैरों पर खड़ा हो सकता है।

यही सामाजिक सहयोग की वास्तविक शक्ति है। सहायता का उद्देश्य किसी को सदा आश्रित बनाए रखना नहीं, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाना है। एक ईंट केवल निर्माण सामग्री नहीं, सुरक्षित आवास का संकल्प है। एक रुपया केवल मुद्रा नहीं, आर्थिक अवसर का प्रतीक है। दोनों मिलकर कहते हैं कि समाज की उन्नति तभी सार्थक है, जब उसमें नए व्यक्ति के लिए भी स्थान हो।

आज इस विचार को व्यवहार में उतारने के लिए प्रत्येक नगर और गाँव में सामुदायिक सहायता कोष बनाए जा सकते हैं। जरूरतमंद परिवारों को पारदर्शी व्यवस्था के अंतर्गत आवास, शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और छोटे व्यवसाय के लिए सहायता दी जा सकती है। स्थानीय व्यापारी नवोदित उद्यमियों को मार्गदर्शन दें, कारीगर युवाओं को काम सिखाएँ, सक्षम परिवार निर्धन बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करें और समाज के साधनहीन लोगों को सम्मानपूर्वक रोजगार से जोड़ें। सहायता का वितरण जाति, धर्म, भाषा अथवा सामाजिक पहचान के भेदभाव से मुक्त होना चाहिए।

व्यापार की गरिमा भी इसी सामाजिक उत्तरदायित्व से बढ़ती है। उचित तौल, शुद्ध वस्तु, स्पष्ट मूल्य, समय पर भुगतान और श्रमिक के प्रति न्याय—ये केवल व्यापारिक नियम नहीं, सामाजिक विश्वास की नींव हैं। धन कमाना अनुचित नहीं; अनुचित है धन के लिए किसी की विवशता का लाभ उठाना। लाभ आवश्यक है, लेकिन ऐसा लाभ जो समाज का विश्वास नष्ट करके कमाया जाए, वह दीर्घकालीन समृद्धि का आधार नहीं बन सकता।

महाराजा अग्रसेन की परंपरा को केवल किसी एक समुदाय तक सीमित कर देना भी उसके व्यापक लोककल्याणकारी संदेश को छोटा करना होगा। उनका स्मरण हमें यह सोचने की प्रेरणा देता है कि समृद्ध समाज कैसा होना चाहिए—जहाँ उद्यम को प्रोत्साहन मिले, जरूरतमंद को अवसर मिले, स्त्री को सम्मान मिले, श्रम को उचित मूल्य मिले और किसी व्यक्ति की निर्धनता उसकी सामाजिक उपेक्षा का कारण न बने।

आज देश के सामने बेरोजगारी, आर्थिक विषमता, छोटे व्यवसायों की कठिनाइयों और ग्रामीण परिवारों की आजीविका जैसी अनेक चुनौतियाँ हैं। इनका समाधान केवल भाषणों, उत्सवों और स्मारकों से नहीं होगा। इसके लिए स्थानीय स्तर पर सहयोग की संस्थाएँ, कौशल विकास, सुलभ ऋण, ईमानदार व्यापार और जनभागीदारी आवश्यक हैं। स्मृति तभी सार्थक होती है, जब वह वर्तमान की समस्या का समाधान खोजने में सहायक बने।

महाराजा अग्रसेन को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम अपने आसपास किसी ऐसे व्यक्ति को पहचानें, जिसे थोड़े सहयोग से नया जीवन आरंभ करने का अवसर मिल सकता है। किसी बेरोजगार युवा को काम सिखाएँ, किसी निर्धन विद्यार्थी की पढ़ाई का भार बाँटें, किसी जरूरतमंद परिवार को सुरक्षित आवास दिलाने में सहयोग करें और किसी छोटे उद्यमी को सम्मानपूर्वक आगे बढ़ने का अवसर दें।

क्योंकि समाज की वास्तविक संपन्नता उसके धनवान नागरिकों की संख्या से नहीं, बल्कि उन लोगों की स्थिति से पहचानी जाती है जिन्हें कठिन समय में कोई अकेला नहीं छोड़ता।

एक ईंट किसी का घर बना सकती है, एक रुपया किसी के व्यवसाय की शुरूआत कर सकता है और एक संवेदनशील निर्णय किसी परिवार की पीढ़ियों का भविष्य बदल सकता है। अग्रसेन की परंपरा का सार यही है—समृद्धि का सम्मान तभी, जब उसका लाभ समाज के अंतिम जन तक पहुँचे।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 15 अक्टूबर 2026 बुधवार

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शनः आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष मिथुन सिंह तुला धनु और कुंभ राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। बुधवार का दिन प्रथम पूज्य भगवान गणेश तथा विघ्नहर्ता भगवान मयूरेश्वर की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन गणेश मंदिर में दूर्वा और हरे मोदक का भोग लगाने तथा गाय को हरी घास खिलाने से जीवन के सभी विघ्न दूर होते हैं और कार्यों में अपार सफलता मिलती है।

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और उच्च अधिकारियों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में किए गए निवेश से भविष्य में बड़ा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।

वृष

आज आपकी राशि पर बुध की अनुकूल स्थिति के कारण व्यापार में कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। परिवार के साथ किसी सुंदर स्थल पर समय बिताने का अवसर मिलेगा जिससे मन प्रसन्न रहेगा। किसी जरूरतमंद को हरी मूंग की दाल का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज आपकी वाणी की प्रभावशीलता से आपके रुके हुए कार्य तेजी से गति पकड़ेंगे और लोग आपकी कार्यशैली की सराहना करेंगे। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा और उच्च शिक्षा में सफलता मिलेगी। गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करें जिससे आपकी बौद्धिक क्षमता और अधिक प्रखर होगी।

कर्क

आज भूमि भवन या संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना मामला आपसी सहमति से सुलझने की पूरी संभावना है। पारिवारिक जीवन में सुख शांति बनी रहेगी और माता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। गणेश चालीसा का पाठ करें जिससे आपके परिवार में अखंड समृद्धि का वास होगा।

सिंह

आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम तथा नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आय के नए स्रोत विकसित होने से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। भगवान गणेश को सिंदूर का तिलक लगाएं जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि होगी।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और कहीं से रुका हुआ पुराना धन अचानक वापस मिल सकता है। व्यापारियों को किसी नए बड़े अनुबंध पर हस्ताक्षर करने का अवसर मिलेगा। मंदिर में हरे फल चढ़ाएं जिससे आपके व्यावसायिक मार्ग प्रशस्त हों।

तुला

आज कला साहित्य और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े जातकों के लिए दिन अत्यंत भाग्यशाली और उपलब्धियों भरा रहेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी और जीवनसाथी की सलाह से बड़ा लाभ होगा। किसी गरीब व्यक्ति को भोजन कराएं जिससे आपके जीवन में सुख और शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी गुप्त कार्य समय पर पूरे होंगे और लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम बनेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अनावश्यक तनाव से दूर रहें। गणेश स्तोत्र का पाठ करें जिससे आपके सभी शत्रु शांत होंगे।

धनु

आज मित्रों और संबंधियों के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ वित्तीय कार्य संपन्न हो सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे मानसिक शांति मिलेगी। जरूरतमंदों को हरी वस्तु का दान करें जिससे आपके सभी अटके हुए मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को उच्च अधिकारियों की प्रशंसा मिलेगी और पदोन्नति से जुड़ी कोई शुभ सूचना मिल सकती है। पुराने कर्ज से मुक्ति मिलने के योग बन रहे हैं। बुधवार का व्रत रखें जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए कार्य तेजी से गति पकड़ेंगे और मन प्रसन्न रहेगा। लंबी दूरी की किसी लाभदायक यात्रा के योग बन रहे हैं। भगवान गणेश को मोदक का भोग लगाएं जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत होगी।

मीन

आज आर्थिक मामलों में बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता है और किसी भी अनजान योजना में निवेश करने से बचें। पारिवारिक माहौल शांत रहेगा और जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। मंदिर में जाकर गरीबों को हरी सब्जियां वितरित करें जिससे आपके सभी संकट दूर होंगे।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

बुधवार के दिन घर के उत्तर यानी ईशान कोण को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहाँ हरे रंग के पौधे लगाने तथा भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा माता लक्ष्मी और गणेश की कृपा से व्यापार में अटूट समृद्धि का वास होता है।

कृष्णभक्ति और ब्रज साहित्य की गूंज, अष्टछाप कवि कृष्णदास को किया याद

सूरदास ब्रज भाषा अकादमी में जयंती पर विचार एवं काव्य गोष्ठी आयोजित।

- विद्वानों ने कृष्णदास जी के व्यक्तित्व, कृतित्व और भक्ति साहित्य में योगदान पर रखे विचार।
- कवियों ने रचनाओं के जरिए ब्रजभाषा की समृद्ध परंपरा को किया याद।
- सरस्वती वंदना और काव्य पाठ के साथ साहित्यकारों ने साझा किए विचार।

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

गोवर्धन के पारासोली स्थित सूरदास ब्रज भाषा अकादमी में अष्टछाप कवि कृष्णदास महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में विचार एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें ब्रज भाषा के विद्वानों और रचनाकारों ने कृष्णदास जी के व्यक्तित्व, कृतित्व और भक्ति साहित्य में उनके योगदान पर विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजीव पांडेय और ब्रज भाषा के प्रमुख रचनाकार राधा गोविन्द पाठक ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यार्पण कर किया। अकादमी के निदेशक डॉ. केशव देव शर्मा ने अतिथियों का उत्तरीय पहनाकर स्वागत किया।

डॉ. शर्मा ने कहा कि कृष्णदास जी जैसे कृष्णभक्त कवियों का जीवन और साहित्य शताब्दियों बाद भी ब्रजवासियों के साथ-साथ समूचे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी कविताओं में सहज ज्ञान और भक्ति की धारा निरंतर प्रवाहित होती है। ऐसे कवियों के साहित्य और विचारों को जन-जन तक पहुंचाना ब्रज भाषा की परंपरा को जीवंत बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

कार्यक्रम में गोपाल उपाध्याय ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की, जबकि मंच संचालन ब्रज भाषा के मनीषी हरिबाबू ओम ने किया। वक्ताओं ने कहा कि अष्टछाप के कवियों की रचनाएं आज भी कृष्णभक्ति और ब्रज की सांस्कृतिक परंपरा को समृद्ध कर रही हैं।

इस अवसर पर पूर्ण प्रकाश कौशिक, देवी प्रसाद गौड़, केसी गौर, रेनू उपाध्याय, मोहन माही, महेश चन्द्र शर्मा, हरे कृष्ण शर्मा, डॉ नन्द किशोर शास्त्री, अमर सिंह द्वितीय, श्याम बाबू कौशिक, मोहित मनोहर, सतीश एकांत, शिल्पी केशोरैया और कीर्ति शर्मा सहित अन्य साहित्यकारों ने अपने विचार व्यक्त किए तथा काव्य पाठ किया। समापन अवसर पर अकादमी निदेशक डॉ. केशव देव शर्मा ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी अतिथियों, साहित्यकारों और सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई में शिकायत मिलते ही एक्शन, अतिक्रमण पर चला निगम का हथौड़ा!

राधेश्याम कॉलोनी में गली निर्माण की बाधा हटाई, प्रवर्तन दल ने सीढ़ियां और स्लैब तुड़वाए।

- राधेश्याम कॉलोनी में गली निर्माण के दौरान अतिक्रमण से हो रही थी परेशानी।
- 10 परिवारों के घरों के सामने बनी सीढ़ियों और स्लैब को हटवाया।
- नगर आयुक्त के निर्देश पर प्रवर्तन दल ने मौके पर पहुंचकर की कार्रवाई।

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

नगर निगम मथुरा-वृंदावन की ह्यसंभवह्न जनसुनवाई में गली निर्माण में बाधा और अतिक्रमण की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की गई। वार्ड संख्या-12 स्थित राधेश्याम कॉलोनी में मार्ग निर्माण के दौरान घरों के सामने बनी सीढ़ियों और स्लैब के कारण काम प्रभावित होने की शिकायत मिली थी।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने शिकायत का संज्ञान लेते हुए प्रवर्तन दल को मौके पर भेजा। टीम ने मौके पर पहुंचकर मार्ग निर्माण में अवरोध बन रही सीढ़ियों और स्लैब को हटवाया। इसके बाद शिकायत का निस्तारण कराया गया।

नगर निगम की इस कार्रवाई से मार्ग निर्माण में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास किया गया। जनसुनवाई में शिकायत मिलने के बाद उसी दिन कार्रवाई किए जाने को लेकर निगम की त्वरित कार्यप्रणाली चर्चा में रही।

संस्कृति विवि के दीक्षांत समारोह में 2025 के उदीयमान विद्यार्थी सम्मानित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

संस्कृति विश्वविद्यालय के 7वें दीक्षांत समारोह में वर्ष 2025 में उत्तीर्ण होने वाले सभी छात्र-छात्राओं की पूरी मेरिट सूची के आधार पर मेडल और उपाधियां प्रदान की गईं। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी की गई आधिकारिक सूची के अनुसार, विभिन्न संकायों के सभी 144 मेधावी विद्यार्थियों को उनकी श्रेणियों के अनुसार पदक देकर सम्मानित किया गया है। सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में फ्रेडरिक माकेमा, अर्चना कुमारी, हवा अब्दुल्लाली हैली, शगुन सैनी, रिया जैन, रिया कुमारी, वर्षा चौधरी, प्राप्ति जैन, मुस्कान तिवारी, रितु अनानी याकाश याप, भूमिका शर्मा, सुमित, पवन कुमार, नवीन कुमार वर्मा, समीक्षा शर्मा, सुमित, हरी ओम शर्मा, अदिति सिन्हा, साधना सिंह, संजना चौधरी, डिंकी रोमो, एकता पाठक, मनोज चौधरी, कोमल कुमारी, हर्षिता प्रभाकर, सुनील कुमार सैनी, चिंकी शर्मा, अभिषेक सोलंकी, शिवानी सिंह, अमरीश वाघेला, शिवानी शर्मा, लोकेश गुप्ता, श्रेया सारस्वत, काजल वर्मा, पूर्णिमा रुहेला, के.एम. पूनम शर्मा, शुभम वार्ष्णेय, सचिन कुमार सिंह, भानु प्रताप सिंह, राजवर्धन, राहुल कुमार, सचिन, तारा चंद्र पांडेय, कोरानी गोपाल परसुराम, प्रियंका शर्मा, संजना, अभिषेक पटेल, मानसी अग्रवाल, तेजवीर, के.एच.एन. यदानार क्याव तथा साजिद खान शामिल हैं। द्वितीय स्थान पाकर संस्थान का नाम रोशन करने वाले होनहारों में रुचि, नोमुसा सिबांडा, विनीत कुमार, पुष्पा गुप्ता, मुकेश गुप्ता, अंजलि, भावना शर्मा, अनुष्का भारद्वाज, मोहिनी कुशवाहा, मोहित सिंह, तमन्ना, पूजा सिंह, मनपाल सिंह, गौरव झा, रश्मी, दिलीप शर्मा, दिशा पुरोहित, अभिषेक बेनीवाल, कशिश गुप्ता, गोल्डन कुमारी, स्मिता अग्रवाल, गौरव शर्मा, मुरली, शिखा सागर, जागृति सिंह, आजाद, सोनवीर, शालू कुमारी, शिल्पी मालवीय, तन्मय गौतम, कुमारी लक्ष्मी, अंशू शर्मा, पूर्व गौतम, फरिश्ता चौधरी, अन्वी दीक्षित, प्रिया देवी कर्माकर, तेजवीर सिंह, सत्यम, श्याम, संजीव, मोनू, हरिकिशन, नीतेश शर्मा, के.एम. साक्षी पटेल, के.एम. अंशु तिवारी, वंशिका सक्सेना, शहनाज परवीन, मुस्कान शर्मा, ध्रुव भारद्वाज, मिन प्याए सोने तथा सोनू कुमार शामिल हैं। तृतीय रैंक हासिल कर सफलता का परचम लहराने वाले विद्यार्थियों में सिरुआना जोशी, गोविंद गोयल, निशा गुप्ता, के.एम. तबस्सुम, प्रियंका तिवारी, दिगंबर, निशा तिवारी, रीतिका, खुशी शर्मा, तनीश कुमार, विकास पांडेय, ब्रजेश पांडेय, कुशल पाल, सृजन साक्षी, पूजा खंडेलवाल, अनंत कुमार वत्सा, भूमिका अग्रवाल, सुश्री कुमकुम शर्मा, सुश्री तनु कुमारी, के.एम. प्रियोला यादव, शुभम, खुशी गुप्ता, निष्कर्ष साहू, दीपक टी.आर., खुशी सिंह सबा, शेख अब्दुल लतीफ, डॉली, शिकत मुल्ला, गायत्री पोनिया, अरुण कुमार गौतम, प्रिंस वार्ष्णेय, कुलदीप, दिनेश, जीतू, प्रीतम सिंह, कृष्णा, कुणाल गौतम, श्वेता, तीना सिंह, राजन शर्मा, मुस्कान नाजिर तथा ज्योति शामिल हैं।

दिल्ली से घर लौटा युवक, गंगा किनारे पेड़ से लटका मिला शव

पटियाली। क्षेत्र के मिसराना गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। दिल्ली से घर लौटे 20 वर्षीय युवक का शव बूढ़ी गंगा के किनारे चंदनिया के पेड़ पर गले में अंगोछे के फंदे से लटका हुआ मिला। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक के बड़े भाई अमजद ने जानकारी देते हुए बताया कि अरबाज दिल्ली में रहकर ओला गाड़ी चलाने का काम करता था। वह सोमवार की सुबह करीब 3 बजे ही दिल्ली से अपने घर वापस आया था। परिवार के लोग उसकी वापसी से खुश थे, लेकिन सोमवार की रात्रि करीब 9 बजे अचानक पता चला कि अरबाज ने गांव के पास स्थित बूढ़ी गंगा के किनारे चंदनिया के पेड़ पर अंगोछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

यह खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और वे रोते-बिलखते घटनास्थल पर पहुंचे। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना पुलिस तुरंत मौके पर मुस्तैद हुई। इसके साथ ही फॉरेंसिक टीम को भी बुलवाया गया, जिसने मौके से साक्ष्य संकलित किए। पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर पोस्टमार्टम गृह भिजवा दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक चार भाई और तीन बहनें हैं। इस अचानक हुई घटना से मां रहीसा बेगम समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के असल कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा, फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

अड़ींग पंचायत में मनरेगा पर घपले के आरोप, मजदूर काम से महरूम

- कई जातियों के मजदूरों को जॉब कार्ड और काम नहीं मिलने का आरोप, रोजगार सेवक की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल।
- 39 करोड़ की परफॉर्मेंस ग्रांट में गड़बड़ी की जांच को लेकर भी ग्रामीणों ने जताई नाराजगी।
- फर्जी वर्क आईडी और बिना काम हाजिरी दर्ज कराने के आरोप, भुगतान में अनियमितता की भी चर्चा।
- पंचायत सदस्यों की शिकायत पर कार्रवाई नहीं होने का दावा, जांच रिपोर्ट के बाद आयोग से दोबारा शिकायत की तैयारी।

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

जनपद स्थित गोवर्धन तहसील की ग्राम पंचायत अड़ींग में 39 करोड़ की परफॉर्मेंस ग्रांट में गड़बड़ी की जांच लोकायुक्त के निर्देश के बाद भी धरातल पर नहीं होने के आरोप हैं वहीं यहां वीबीजी रामजी (मनरेगा) में भी व्यापक घपला सामने आया है। तैनात संविदा मनरेगा रोजगार सेवक द्वारा जाट, यादव, रजक, कोली, बर्गी, कुम्हार, भांतू आदि अनेक जातियों के लोगों के नतो जाब कार्ड बनाये और न इनमें से किसी को पूरे पांच साल में काम दिया। हाल यह है कि लाभार्थी चहेते श्रमिकों को सुबह-दोपहर फोटो खिंचवाकर कागजी काम चल रहा बताया गया है। पंचायत में जितनी वर्क आईडी पर काम दशार्या गया है उसमें से बहुतों पर काम का अता पता नहीं है। सलीके से हालिया कामों की जांच हो तो घपला उजागर हो सकता है।

ग्रामीणों की मानें तो पंचायत राज विभाग के आला अफसरों के लिए अडींग़ पंचायत सोने के अंडे देने वाली मुर्गी बनी हुई है। इसी का नतीजा है कि शिकायतों और प्रमाणों के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। पंचायत में बीवीजी रामजी में 2025-26 में कुल 1217 श्रमिक पंजीकृत थे। इनमें से 1019 एस सी श्रेणी के व कुल 198 अन्य श्रेणी के श्रमिक कार्ड धारक थे। भुगतान की बात करें तो साल 2024-25 में जब बगैर आन लाइन हाजिरी के काम होता था तब अन्य श्रेणी के श्रमिकों को पूरे साल में करीब 5 लाख 48021 रुपए एवं अनुसूचित जाति के श्रमिकों को 8 लाख 59255 रुपए का भुगतान हुआ। इनमें से कयी ब्राह्मण, वैष्य आदि ऐसे थे जिन्होंने कभी जीवन में फावड़ा नहीं पकड़ा। चालू वित्तीय वर्ष में अनुसूचित श्रेणी के अलावा अन्य श्रेणी के श्रमिकों का काम बेहद घट गया है ?। जब तक बगैर काम और आन लाइन हाजिरी के कुछ पैसा मिल जाता था काम चल रहा था। अब एससी वर्ग के चुनिंदा श्रमिकों की हाजिरी कराकर फर्जी वर्क आई डी पर काम दिखाये जाने की चर्चा आम है। सूत्रों की मानें तो बगैर काम के हाजिरी चढ़ाने वाले श्रमिकों से पैसे में हिस्सेदारी लेली जाती है। धरातल पर काम कम और कागज में ज्यादा चल रहा है। उल्लेखनीय है कि पंचायत के पूरे पांच साल के कार्यकाल में प्रधान और सचिवों को 39 करोड़ की परफॉर्मेंस ग्रांट के कामों से ही फुर्सत नहीं हुई। बीवी जी रामजी में खेल चलता रहा?।अनियमितताओं की अनेक शिकायतों पर जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो इस तरह की शिकायत मजदूर तबके के लोग किससे करें।

रोजगार सेवक की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं

मथुरा। अड़ींग पंचायत में तैनात संविदा मनरेगा रोजगार सेवक की शिकायत पंचायत के बहुसंख्य सदस्यों ने डीपीआरओ से की। उनका आरोप था कि मेरी पंचायत एप पर रोजगार सेवक ने पूरे पांच साल अपना निजी मोबाइल नंबर डाले रखा। इससे पंचायत में आने वाली ग्रांट की जानकारी से एक दर्जन सदस्य वंचित रहे। एप के स्क्रीन शॉट की फोटो कापी के प्रमाणों के साथ सदस्यों ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को भी शिकायत की। इसकी जांच क्षेत्राधिकारी गोवर्धन अनिल कुमार ने की। बयानों में यह तथ्य लिखा गया लेकिन जांच का परिणाम शून्य करते हुए कोई कार्रवाई सरकारी एप में धोखाधड़ी करने वाले के खिलाफ नहीं की। 8 अप्रैल 2026 को भेजी जांच रिपोर्ट की प्रति आयोग ने सदस्यों को भेजी है। सदस्य इसे फिर से आयोग को भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

खाकी के साथ मैदान में उतरीं बेटियां, संभाली चौराहे की कमान!

मिशन शक्ति 6.0 के तहत एनसीसी कैडेट्स को पुलिस ने सिखाए यातायात संचालन के गुर।

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

मिशन शक्ति अभियान (फेज-6.0) के अंतर्गत मंगलवार को कोतवाली कासगंज पुलिस ने अनोखी पहल करते हुए बेटियों को आत्मनिर्भता के साथ-साथ सुरक्षा और अनुशासन का एक नया पाठ पढ़ाया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कासगंज के नेतृत्व में टीएसआई कासगंज और मिशन शक्ति टीम ने शहर के व्यस्ततम बिलराम गेट चौराहे पर शारदा जौहरी इंटर कॉलेज की एनसीसी कैडेट छात्राओं को यातायात संचालन के गुर सिखाए।

पुलिस अधिकारियों ने दिए व्यावहारिक टिप्स

इस विशेष कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने छात्राओं को सड़क सुरक्षा के नियमों की विस्तार से

- बिलराम गेट चौराहे पर शारदा जौहरी इंटर कॉलेज की छात्राओं ने संभाला ट्रैफिक।
- पुलिस अधिकारियों ने यातायात संकेतों और हाथ के इशारों से वाहनों को नियंत्रित करने का दिया प्रशिक्षण।
- मिशन शक्ति के तहत छात्राओं को सड़क सुरक्षा, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति किया जागरूक।

जानकारी दी। चौराहे पर यातायात को सुचारू रूप से संचालित करने, विभिन्न यातायात संकेतों को समझने तथा पुलिस के हाथ के इशारों के माध्यम से भारी वाहनों व ट्रैफिक को नियंत्रित करने के व्यावहारिक तरीके बताए गए। छात्राओं ने पूरी तल्लीनता के साथ इन बारीकियों को सीखा।

छात्राओं ने खुद संभाला ट्रैफिक संचालन

प्रशिक्षण के तुरंत बाद एनसीसी कैडेट छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में अभूतपूर्व उत्साह का परिचय देते हुए स्वयं चौराहे पर खड़े होकर यातायात का संचालन किया। चौराहे पर कैडेट्स द्वारा मुस्तैदी से ट्रैफिक संभालते देख राहगीर भी अचंभित और उत्साहित नजर आए।

जागरूकता और जिम्मेदारी का संदेश

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं व छात्राओं में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उन्हें ट्रैफिक मैनेजमेंट की व्यावहारिक जानकारी देना और उनमें सड़क सुरक्षा के प्रति एक बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा है। इस पहल की शहर भर में सराहना की जा रही है।

जय श्रीराम के जयघोष से गूंजा कस्बा, ध्वज स्थापना के साथ रामलीला का आगाज

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

अमांपुर कस्बे में प्रभु श्रीराम की लीलाओं के मंचन को तैयारियां होने लगी है। संगीतमय आदर्श श्रीराम लीला महोत्सव मंचन का गणेश पूजन के साथ कस्बे के बारहद्वारी स्थित घंटाघर पर गाजे-बाजे के साथ धूमधाम से झंडी स्थापित की गई। इसी के साथ श्रीरामलीला महोत्सव का शुभारंभ हो गया। सोमवार देर शाम पंडित गुड्डू पाराशर ने विधि-विधान पूर्वक वैदिक मंत्रोच्चारण से पूजा-अर्चना सम्पन्न कराई। आदर्श श्रीरामलीला महोत्सव कमेटी व श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से महाआरती व पुष्प वर्षा कर प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर वातावरण जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष से गूंज उठा। इस अवसर पर संरक्षक रामलाल साहू, चेयरमैन चांद अली खान, ब्लॉक प्रमुख कृष्णा राजपूत, हरिओम गुप्ता, अनिल गुप्ता, दरवेश फौजी, रिंकू अग्रवाल, शीलेन्द्र सोलंकी, अध्यक्ष रूदप्रताप सिंह, महामंत्री हिदेश सर्राफ, मनोज गुप्ता, पुष्पेंद्र वर्मा, विनीत मित्तल, मीडिया प्रभारी आकाश गुप्ता सर्राफ, राहुल चौहान, एडवोकेट शिवम सोलंकी, एडवोकेट प्रवीन गोस्वामी, शशीकांत शंखवार, परन्तप सोलंकी, मुकेश सोलंकी, संजीव माहेश्वरी, संतोष पालीवाल, आकाश ठाकुर, रोहित माहेश्वरी, सोनू गुप्ता, मोहित अग्रवाल, मदन अग्रवाल, पंवन गुप्ता, शेलू अग्रवाल, यश गोयल आदि रामभक्त मौजूद रहे।

मां चंद्रघंटा के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब, जयकारों से गूंजे मंदिर

नवरात्र के तीसरे दिन मंदिरों में उमड़ी भीड़, भक्तों ने मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, कासगंज।

शारदीय नवरात्र के तीसरे दिन जनपदभर में भक्ति और आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। मां दुर्गा के तृतीय स्वरूप मां चंद्रघंटा की स्तुति के साथ मंदिरों में घंटे-घड़ियालों की गूंज और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। ब्रह्म मुहूर्त से ही देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लग गया, जो दिन चढ़ने के साथ और अधिक गहराता चला गया। भक्तों ने विधि-विधान से मां की पूजा-अर्चना कर अपने परिवार के मंगल की कामना की और शत्रुओं के नाश का आशीर्वाद मांगा।

नवरात्र के तीसरे दिन शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक के देवी मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। हाथों में जल कलश, पूजा की थाली, चुनरी और नारियल लिए श्रद्धालु अहले सुबह ही मंदिरों की ओर चल पड़े।

शहर के प्रसिद्ध माता काली मंदिर, माता चामुंडा मंदिर, माता संतोषी मंदिर, गली बोहरान स्थित माता संतोषी मंदिर और माता दुर्गा मंदिर समेत सभी शक्तिपीठों में भक्तों ने कतारबद्ध होकर मां के दर्शन किए। इस दौरान माता के दरबार को भव्य रूप से सजाया गया था। फूलों और विद्युत प्रकाश से सुसज्जित मां की प्रतिमा की मोहक छटा देखते ही बन रही थी। मनमोहक छवि के दर्शन कर भावविभोर हुए भक्तों ने माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया।

दूध और उससे बने व्यंजनों का लगाया भोग

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां चंद्रघंटा को दूध और दूध से बने मिष्ठान व खाद्य पदार्थों का भोग अत्यंत प्रिय है। भक्तों ने परंपरा का निर्वाह करते हुए माता को खीर, दूध और उससे बनी मिठाइयों का भोग अर्पित किया। मान्यता है कि इस स्वरूप की पूजा करने से साधक को औपचारिकता से मुक्ति मिलती है और आध्यात्मिक शक्ति के साथ-साथ शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने का बल मिलता है।

मेले जैसा रहा माहौल, जमकर हुई खरीदारी

मंदिर परिसरों में उमड़ी भारी भीड़ के चलते आसपास के क्षेत्रों में मेले जैसा जीवंत दृश्य नजर आया। दर्शन-पूजन के पश्चात श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर व आसपास सजी दुकानों से जमकर खरीदारी की। महिलाओं और बच्चों ने पूजन सामग्री के साथ-साथ जरूरत का अन्य सामान खरीदा। पुलिस प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा और शांति व्यवस्था को लेकर मंदिरों के आसपास पुख्ता इंतजाम देखे गए।

नवरात्रि में सुरक्षा का सख्त पहरा, पंडालों से मंदिरों तक पुलिस की पैनी नजर

एसपी ने सोरों क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था परखी, पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश

- दुर्गा पंडालों, रामलीला स्थलों और मंदिरों का किया निरीक्षण
- मिशन शक्ति के तहत महिलाओं-बालिकाओं की सुरक्षा पर जोर
- हुड़दंगियों पर नजर रखने के लिए पुलिस बल तैनात

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

शारदीय नवरात्रि और विजयदशमी पर्व को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एसपी ओ.पी. सिंह ने मंगलवार को भारी पुलिस बल के साथ थाना सोरों क्षेत्र में पैदल गश्त की। इस दौरान उन्होंने प्रमुख दुर्गा पंडालों, रामलीला स्थलों और मंदिरों का औचक जायजा लिया तथा सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को मुस्तैद रहने के कड़े निर्देश दिए।

जनपदवासियों को पावन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए स्पष्ट किया कि शासन और पुलिस प्रशासन हर नागरिक की सुरक्षा और आस्था के सम्मान के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है।

मिशन शक्ति के तहत विशेष प्रबंध

एसपी ने बताया कि जनपद के प्रत्येक थाने में नवरात्रि के मद्देनजर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रमुख पंडालों, मंदिरों और धार्मिक आयोजनों में शामिल होने वाली महिलाओं और बालिकाओं को पूरी तरह सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल मिले, इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार के 'मिशन शक्ति फेज 6.0' अभियान के अंतर्गत विशेष पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि हुड़दंगियों पर पैनी नजर रखी जा सके।

पुलिस ने की जनता से अपील

अहमदाबाद या अन्य जगहों की तरह अफवाहों से बचें: सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक और असत्य खबरों से सावधान रहें। किसी भी बात को आगे बढ़ाने से पहले उसकी सच्चाई अवश्य परखें।

शांति और भाईचारा बनाए रखें: बुराई पर अच्छाई की जीत के इस पावन पर्व को आपसी सौहार्द और शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं। यादगार और सुगम यातायात: पुलिस प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और ट्रैफिक व्यवस्था का पूरी तरह पालन कर व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। संदेह होने पर तुरंत सूचना दें: किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या लावारिस वस्तु के दिखने पर बिना देरी किए स्थानीय थाने या पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित कराएं।

गांव की सुरक्षा करने वालों का बढ़ा मान, ग्राम प्रहरियों को मिला सम्मान

उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम प्रहरी सम्मानित, मानदेय वृद्धि की जानकारी के साथ बांटी गई सुरक्षा सामग्री

- योगी के संबोधन का हुआ सजीव प्रसारण
- डीएम-एसपी ने सुनीं समस्याएं, जल्द समाधान के निर्देश
- मानदेय 2500 रू. से बढ़ाकर 3500 रू. किए जाने की दी जानकारी

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

ग्रामीण क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस को जमीनी स्तर पर सहयोग देने वाले ग्राम प्रहरियों के सम्मान में मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइन के ऑडिटोरियम में सम्मेलन आयोजित किया गया। जिलाधिकारी प्रणय सिंह और पुलिस अधीक्षक ओपी सिंह की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि नीरज शर्मा भी मौजूद रहे। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम प्रहरियों को प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

सीएम योगी के संदेश का हुआ प्रसारण

कार्यक्रम में बरेली में आयोजित प्रदेश स्तरीय समारोह 'ग्राम सुरक्षा में योगदान, ग्राम प्रहरियों का सम्मान' का सजीव प्रसारण किया गया। उपस्थित अधिकारियों और ग्राम प्रहरियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संबोधन सुना। उनके संदेश के जरिए ग्राम सुरक्षा में प्रहरियों की भूमिका और जिम्मेदारियों को रेखांकित किया गया।

सम्मेलन के बाद जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने ग्राम प्रहरियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए। डीएम प्रणय सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में ग्राम प्रहरियों की अहम भूमिका है। शासन की मंशा के अनुरूप गांवों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखना प्रशासन की प्राथमिकता है।

पुलिस अधीक्षक ओपी सिंह ने ग्राम प्रहरियों को पुलिस विभाग की जमीनी स्तर पर महत्वपूर्ण कड़ी बताया। उन्होंने कहा कि गांवों में संदिग्ध गतिविधियों, अवैध शराब, जुआ या विवाद की जानकारी तत्काल बीट अधिकारी अथवा संबंधित थाने को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। कार्यक्रम के अंत में ग्राम प्रहरियों को ड्यूटी में सहायक टॉर्च, लाठी और वर्दी से संबंधित सामग्री वितरित की गई। साथ ही सरकार की ओर से मानदेय 2500 से बढ़ाकर 3500 किए जाने की जानकारी दी गई। इससे ग्राम प्रहरियों में उत्साह देखने को मिला।

इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी लाइन दुर्गेश कुमार मिश्र, प्रतिसार निरीक्षक सुभाष सिंह सहित पुलिसकर्मी और जिले के विभिन्न थानों से आए ग्राम प्रहरी उपस्थित रहे।

आठवीं की छात्रा के हाथों में आई ब्लॉक की कमान, एक दिन के लिए बनीं बीडीओ!

बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए की गई पहल

- प्रियांशी मिश्रा को सौंपा गया सांकेतिक प्रभार
- शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली को करीब से जाना
- निर्णय लेने और जनसेवा की जिम्मेदारियों से हुईं रूबरू
- पहल से बालिकाओं को भविष्य में आगे बढ़ने की मिलेगी प्रेरणा

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की योग्यता विकसित करने के उद्देश्य से मंगलवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, पटियाली की कक्षा आठ की छात्रा कुमारी प्रियांशी मिश्रा को एक दिन के लिए खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) बनाया गया।

इस दौरान छात्रा को प्रशासनिक जिम्मेदारियों से परिचित कराते हुए विकासखंड स्तर पर संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई। पटियाली ब्लॉक में बीडीओ संजीव कुमार के स्थान पर प्रियांशी मिश्रा को एक दिन का सांकेतिक प्रभार सौंपा गया।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली समझाना तथा उनमें नेतृत्व, निर्णय क्षमता और जनसेवा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना रहा। एक दिन की बीडीओ बनने पर प्रियांशी को विकासखंड में होने वाले कार्यों और प्रशासनिक पद की जिम्मेदारियों को करीब से जानने का अवसर मिला। इस अनुभव से छात्राओं को भविष्य में प्रशासनिक सेवाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

बीडीओ संजीव कुमार ने बताया कि इस तरह की पहल से बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि छात्राओं को प्रा-सनिक जिम्मेदारियों से परिचित कराना उनके सर्वांगीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

हौसलों को सलाम! मिशन शक्ति में चमकीं बेटियां, महिला शक्ति का हुआ सम्मान

वीरता दिखाने वाली बालिकाओं और मेधावी छात्राओं को मिला सम्मान

- खेलों में परचम लहराने वाली महिला खिलाड़ियों का बढ़ा हौसला
- दिव्यांग प्रतिभाओं और कोरोना वॉरियर्स को किया सम्मानित

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

कासगंज:प्रदेशभर में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित बहुचर्चित अभियान 'मिशन शक्ति फेज 6.0' के तहत आज जनपद में खाकी का एक अलग और प्रेरणादायक चेहरा देखने को मिला। रिजर्व पुलिस लाइन स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित एक भव्य और गरिमामयी सम्मान समारोह में कासगंज पुलिस ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और सेवा से लोहा मनवाने वाली महिलाओं, छात्राओं और बालिकाओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक ओ0पी0 सिंह रहे, जिन्होंने अपने हाथों से जिले की इन होनहार विभूतियों को प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिन्ह भेंट किए।

इस विशेष सम्मान समारोह में जिले की उन महिलाओं और बेटियों को मंच मिला, जिन्होंने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से समाज में एक मिसाल कायम की है:

वीरता और बहादुरी: विषम और कठिन परिस्थितियों में भी अदम्य साहस और दिलेरी का परिचय देने वाली बालिकाओं को उनकी वीरता के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। खेल के मैदानों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जनपद और प्रदेश का नाम रोशन करने वाली प्रतिभावान महिला खिलाड़ियों को पुलिस अधीक्षक ने ढेरों शुभकामनाएं दीं और प्रोत्साहित किया। जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों में टॉप करने वाली मेधावी छात्राओं को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया।

शारीरिक बाधाओं और चुनौतियों को अपने हौसले से मात देकर समाज में प्रेरणादायक कार्य करने वाली दिव्यांग महिलाओं व बालिकाओं को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाया गया।

कोरोना काल से लेकर अब तक समाज को नई दिशा देने वाली महिला डॉक्टरों, नर्सों, शिक्षिकाओं और एनजीओ के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य करने वाली सामाजिक कार्यकर्ताओं को उनकी अनथक सेवाओं के लिए नवाजा गया।

महिलाएं समाज का मुख्य स्तंभ हैं: पुलिस अधीक्षक ओ0पी0 सिंह

समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक श्री ओ0पी0 सिंह ने कहा कि महिलाएं और बालिकाएं हमारे समाज की रीढ़ और मुख्य स्तंभ हैं। 'मिशन शक्ति' अभियान का मूल उद्देश्य केवल उन्हें सुरक्षा का अहसास कराना भर नहीं है, बल्कि उनकी छिपी हुई प्रतिभा को पहचानकर उन्हें समाज में आगे बढ़ने के लिए समान अवसर और पूरा सम्मान देना है। आज सम्मानित होने वाली प्रत्येक महिला और बेटी इस पूरे समाज के लिए एक जीवंत प्रेरणा स्रोत है।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर आंचल चौहान, क्षेत्राधिकारी लाइन दुर्गेश कुमार मिश्र, प्रतिसार निरीक्षक सुभाष सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस बल और गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभागार में मौजूद हर शख्स ने इन होनहार बेटियों की सफलता पर गर्व महसूस किया।

खेल के मैदान में बच्चों का दमदार प्रदर्शन, दौड़-कूद से कबड्डी तक दिखाया दमखम!

खेलकूद प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

विकास खंड अमांपुर की न्याय पंचायत कछेला शेरपुर की खेलकूद प्रतियोगिताएं मंगलवार को कंपोजिट विद्यालय थरा चीतरा में आयोजित की गईं। प्रतियोगिता का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद बच्चों ने मां शारदे की वंदना प्रस्तुत की। विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजयी प्रतिभागियों को अतिथियों ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

बालक वर्ग की 50 मीटर दौड़ में अजीत, अंकित और अंकित, 100 मीटर में अंकित, भानु और संदीप तथा 200 मीटर में संदीप, जैद और अंकित क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। लंबी कूद में लोकेंद्र, संदीप और विवेक ने स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग की दौड़ में राशि, सुनैना और अनन्या सहित अन्य खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जूनियर बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में आर्यन, 200 मीटर में ममतेश और 400 मीटर में गोविंद प्रथम रहे। लंबी कूद में तौसीफ ने पहला स्थान हासिल किया। जूनियर बालिका वर्ग में 100 मीटर दौड़ में सोनम, 200 मीटर में हेमा और 400 मीटर में निशा प्रथम रहीं। लंबी कूद में हेमा ने बाजी मारी। कबड्डी के प्राथमिक बालक और बालिका वर्ग में भडेरी की टीम विजेता तथा थरा की टीम उपविजेता रही। जूनियर बालक वर्ग में थरा और बालिका वर्ग में भडेरी की टीम विजेता बनी। इस अवसर पर ब्लॉक पीटीआई मुनेश राजपूत सहित प्रेमपाल सिंह, राजपाल सिंह, सुधीर भदौरिया, दिव्या वर्मा, पीयूष अग्रवाल, शिवम कुमार, अनुपम सिंह, रूबी, मनोज कुमार, अर्चना तोमर और अन्य शिक्षक व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जय श्रीराम के जयकारों से गूंजा नगर, धूमधाम से निकली राम बारात!

शोभायात्रा में उमड़ा श्रद्धा का उल्लास, रामलीला मंचन ने मोहा मन।

-श्रीराम-सीता विवाह और जनकपुरी से विदाई का हुआ भावपूर्ण मंचन।
-पीली चिट्ठी लेकर पहुंचे अतिथियों का स्वागत, श्रद्धालुओं ने लिया धर्मलाभ।

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

श्री रामलीला कमेटी (रजि.) कासगंज के तत्वावधान में बुधवार को सुबह बाराद्वारी पर जनकपुरी (सूत की मंडी) से पीली चिट्ठी लेकर आए अतिथियों का भव्य स्वागत सत्कार किया गया रामलीला मंच पर भव्य श्री राम बारात एवं श्रीराम-सीता विवाह का दिव्य मंचन हुआ। सायं 4 बजे भगवान श्रीराम की भव्य बारात शोभायात्रा के रूप में नगर भ्रमण के लिए निकली। इसके बाद रात्रि 8 बजे रामलीला मंचन में जनकपुरी से पीली चिट्ठी का आगमन, भव्य श्री राम बारात, भगवान श्रीराम एवं माता सीता का विवाह तथा माता सीता की जनकपुरी से विदाई का भावपूर्ण मंचन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री आशुतोष जी भाई साहब(विभाग प्रचारक एटा विभाग ब्रज प्रांत),श्री अमलेन्दु शर्मा जी भाई साहब (विभाग व्यवस्था प्रमुख एटा विभाग ब्रज प्रांत) विशिष्ट अतिथि प्रमुख व्यवसायी गोपाल माहेश्वरी बीज वाले एवं छर्रा से पधारे प्रमुख व्यवसायी नवनीत माहेश्वरी रहे।श्री रामलीला मंचन श्री भावेश भारद्वाज (वृंदावन) के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम के पुरोहित पं. ओम प्रकाश पाठक एवं पं. भरत गौतम रहे तथा मंच संचालन नवीन सक्सेना ने किया।

श्री रामलीला कमेटी के अध्यक्ष गोपाल मराठा, महामंत्री अरविंद वार्ष्णेय, कोषाध्यक्ष अमरीश वशिष्ठ, कार्यकारी अध्यक्ष अजय गुप्ता (डीसीएम), जय प्रकाश गुप्ता, प्रबंधक आकाश गोयल, कार्यकारी महामंत्री स्वयं माहेश्वरी, उपाध्यक्ष अनुज जौहरी एवं विनोद कुशवाहा, कार्यकारी कोषाध्यक्ष गौरव पाल, सह-कोषाध्यक्ष अंशुल गुप्ता, मंत्री संजय कुशवाहा, सह महामंत्री आदित्य गुप्ता, स्टेज इंचार्ज रजनीश वार्ष्णेय सहित सच्चितानंद, विशु वार्ष्णेय, अजय भारद्वाज, आशु गुप्ता, गौरव गुप्ता, आकाश शर्मा, संस्कार बिड़ला, कृष्णा गुप्ता, गोपाल गुप्ता, भास्कर, अभिनव गौतम, शिवा सैनी, चंद्रवीर यादव, ऋषभ माहेश्वरी, कुश बिड़ला, अंश माहेश्वरी, शिवम अग्रवाल, विकल अग्रवाल, अजय अग्रवाल, प्रिंस वार्ष्णेय, उमंग सैनी, कुशाग्र मराठा, कुणाल साहू, अमन कुलश्रेष्ठ, राजेंद्र बिड़ला, इंद्रमोहन गुप्ता एवं भविष्य माहेश्वरी सहित समाजसेवी एवं धर्मप्रेमी कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में जुटे रहे।समिति पदाधिकारियों ने नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं से परिवार सहित भव्य श्री राम बारात एवं रामलीला मंचन में पहुंचकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की।

रामलीला महोत्सव के चलते बड़े वाहनों की नो एंट्री!

कासगंज। अमांपुर कस्बे के बारहद्वारी घंटाघर कालेज रोड की ओर बड़े वाहन से जा रहे हैं तो उस ओर मत जाइए। कस्बे में रामलीला महोत्सव मंचन के लिए मंच बारहद्वारी पर ही बनाया गया है। यहीं पर रामलीला का मंचन होगा। आदर्श श्री रामलीला कमेटी ने लोगों से सहयोग की अपील की हैं। इस मार्ग पर बड़े वाहन लेकर नही आये। मंगलवार को कस्बे के बारहद्वारी घंटाघर पर रामलीला मंचन के लिए तैयारियां जोरों पर चल रहीं थीं। ऐसे में रामलीला मंचन की वजह से बारहद्वारी पर होकर बड़े वाहन नहीं गुजर पाएंगे।? कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विकास सक्सेना, कस्बा इंचार्ज जगदीश सिंह ने बताया कि पुलिस भी रामलीला महोत्सव के दौरान बड़े वाहनों का चौराहा से होकर गुजरने वाले बड़े वाहनों को रोकेगी। रामलीला महोत्सवों पर होने वाले आयोजनों के बारे में भी जानकारी रखें। रामबारात व राजगद्दी शोभायात्रा के दौरान भी मार्गों पर जानकारी होने के बाद ही गुजरें। जिससे वाहन चालक शोभायात्रा के समय जाम में न फंसें। श्री रामलीला कमेटी के द्वारा प्रमुख कार्यक्रम की तिथियों की जानकारी जारी कर दी गई है। 16 अक्टूबर को शाम पांच बजे से राम बारात भ्रमण, 17 अक्टूबर कन्यादान, 21 अक्तूबर को रावण वध और मेला व 22 अक्तूबर को राजगद्दी का आयोजन किया जायेगा।

सफाई कर्मचारी से अभद्रता पर भड़का आक्रोश, ब्लॉक पर गरजे कर्मचारी

कासगंज। अमांपुर की ग्राम पंचायत रानामऊ में तैनात सफाई कर्मचारी के साथ प्रधान पति द्वारा अभद्रता किए जाने के मामले में मंगलवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की शाखा कासगंज के बैनर तले अमांपुर ब्लॉक परिसर में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों के विरोध की जानकारी मिलने पर विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले का संज्ञान लिया। अधिकारियों की पहल पर प्रधान पति ने लिखित माफीनामा दिया, जिसके बाद कर्मचारियों ने धरना स्थगित कर दिया। धरने की अध्यक्षता करते हुए संगठन के जिला महामंत्री सुखवीर सिंह ने कहा कि ग्राम प्रधानों द्वारा सफाई कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह ने बताया कि कुछ दिन पहले रानामऊ के प्रधान पति और सफाई कर्मचारी के बीच मोबाइल पर हुई बातचीत में गाली-गलौज और अभद्र भाषा का ऑडियो वायरल हुआ था। संगठन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आंदोलन किया। सूचना पर एडीओ पंचायत मंजुल कुमार और एडीओ आरडी ने कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रधान पति फूल सिंह को अमांपुर ब्लॉक बुलाकर सफाई कर्मचारी शिशुपाल और उनके बीच सुलह-समझौता कराया। अधिकारियों ने प्रधान पति को फटकार लगाते हुए भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न करने की हिदायत दी। जिला कार्यवाहक अध्यक्ष विशाल चरन ने चेतावनी दी कि यदि जनप्रतिनिधियों द्वारा सफाई कर्मचारियों के साथ इस तरह का व्यवहार किया गया तो संगठन आंदोलनात्मक कदम उठाएगा। इस दौरान श्याम बाबू, गिरीश चंद्र, जय सिंह, श्याम सिंह, नदीम अख्तर, ओमवीर सिंह, रंजीत कुमार, सुनील कुमार, भोजराज सिंह, जोगिंदर सिंह, शैलेंद्र कुमार, युधिष्ठिर सिंह, किशोर कुमार, ओंकार, सत्य प्रकाश, जयप्रकाश, सोरन, सरोज, रूमा देवी और अनिल कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

नवरात्रि में सुरक्षा का सख्त पहरा, पंडालों से मंदिरों तक पुलिस की पैनी नजर

एसपी ने सोरों क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था परखी, पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

शारदीय नवरात्रि और विजयदशमी पर्व को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एसपी ओ.पी. सिंह ने मंगलवार को भारी पुलिस बल के साथ थाना सोरों क्षेत्र में पैदल गश्त की। इस दौरान उन्होंने प्रमुख दुर्गा पंडालों, रामलीला स्थलों और मंदिरों का औचक जायजा लिया तथा सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को मुस्तैद रहने के कड़े निर्देश दिए। जनपदवासियों को पावन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए स्पष्ट किया कि शासन और पुलिस प्रशासन हर नागरिक की सुरक्षा और आस्था के सम्मान के लिए पूरी तरह कटिबद्ध है।

मिशन शक्ति के तहत विशेष प्रबंध

एसपी ने बताया कि जनपद के प्रत्येक थाने में नवरात्रि के मद्देनजर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रमुख पंडालों, मंदिरों और धार्मिक आयोजनों में शामिल होने वाली महिलाओं और बालिकाओं को पूरी तरह सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल मिले, इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार के 'मिशन शक्ति फेज 6.0' अभियान के अंतर्गत विशेष पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि हुड़दंगियों पर पैनी नजर रखी जा सके।

पुलिस ने की जनता से अपील

अहमदाबाद या अन्य जगहों की तरह अफवाहों से बचें

सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक और असत्य खबरों से सावधान रहें। किसी भी बात को आगे बढ़ाने से पहले उसकी सच्चाई अवश्य परखें। शांति और भाईचारा बनाए रखें: बुराई पर अच्छाई की जीत के इस पावन पर्व को आपसी सौहार्द और शांतिपूर्ण तरीके से मनाएं।

यादगार और सुगम यातायात: पुलिस प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और ट्रैफिक व्यवस्था का पूरी तरह पालन कर व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

संदेह होने पर तुरंत सूचना दें: किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या लावारिस वस्तु के दिखने पर बिना देरी किए स्थानीय थाने या पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित कराएं।

व्रत में कुट्टू की पकौड़ी खाना पड़ा भारी, महिला की बिगड़ी तबीयत

कासगंज। कुट्टू का आटा खाने से अमांपुर कस्बे के गांधीनगर में एक महिला व्रत के दौरान कूटू की पकौड़ी खाना महंगा पड़ गया।? महिला की? तबियत खराब होने पर उसे निजी चिकित्सक के? यहा भर्ती कराया गया है।? अमांपुर कस्बे के गांधीनगर निवासी दुर्गेश कुमारी पत्नी यतेन्द्र कुमार नवरात्र में व्रत रह रही हैं। सोमवार को उन्होंने व्रत होने पर कूटू के आटे की पकौड़ी बनाकर खाई थी। इसके बाद रात्रि में दुर्गेश कुमारी की अचानक तबियत खराब हो गई। उन्हें पेट में दर्द, उल्टी और चक्कर आने लगे।? हालत बिगड़ने पर परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें निजी चिकित्सक के यहां उपचार हेतु ले गए। जहां चिकित्सक ने फूड प्वाइजनिंग बताया।? जहां उपचार के बाद उनकी हालत में सुधार हुआ।

भजनों की गूंज और लांगुरिया पर थिरके कदम, भक्तिमय हुआ माहौल

कासगंज। साहित्यिक सामाजिक अखिल भारतीय श्री मन मस्त सत्संग मंडल के तत्वावधान में आवास विकास कॉलोनी स्थित श्री मनमस्त आश्रम के देवी सरस्वती मंदिर में नवरात्रि से प्रारंभ समारोह के अंतर्गत धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भक्त महिलाओं ने मां सरस्वती का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इसके बाद छंद, भजन, कीर्तन और लांगुरिया प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। महिलाओं ने भक्ति गीतों पर नृत्य कर मां की आराधना की। मंडल की महामंत्री कु. प्रतिज्ञा ने बताया कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी देवी मंदिर में भजन-कीर्तन के आयोजन किए जा रहे हैं। उन्होंने भक्तजनों से कार्यक्रमों में भाग लेकर धार्मिक कार्यों में सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में ह्याप्यार सजा है तेरा द्वार भवानीह्ल, ह्यतूने मुझे बुलाया शेरावालिएह्ल, ह्यमाता के मंदिर की छटा निराली हैह्ल, ह्यचलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया हैह्ल तथा ह्यकेला मैया के भवन में छुट्टियां खेले लांगुरियाह्ल सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर श्रीमती सरला भारद्वाज, सरला त्रिपाठी, मनोरमा ईसवाल, रीना शर्मा, निर्मला उपाध्याय, संध्या शुक्ला, शैलवाला वार्ष्णेय, सुमन, राजमाला, नीलम सक्सेना, राधिका, नीतिज्ञा, हेमलता, कु. प्रतिज्ञा और कु. वैष्णवी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं। अंत में सभी भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया।

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पाट्र्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पाट्र्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

स्किल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

योग्यता - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

आमदनी - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
- वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

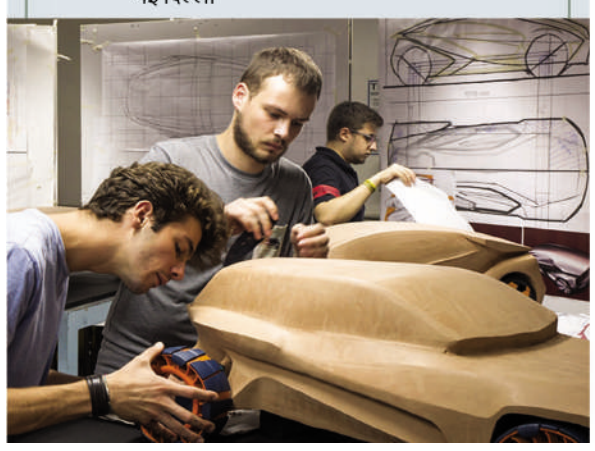

पढाई के लिए बेस्ट ऑप्शन है हॉन्ग कॉन्ग

अगर आप भी विदेश से पढाई करना चाहते हैं लेकिन डिसाइड नहीं कर पा रहें हैं कौन सी यूनिवर्सिटी बेहतर करियर ऑप्शन में आपकी सहायता कर सकती है।आज के इस लेख में हम आपको हॉन्ग कॉन्ग यूनिवर्सिटी की कुछ खासियत बता रहें हैं जिससे आपकी कन्फ्यूजन दूर हो जाएगी।

अगर आप भी विदेश में पढाई करके अपने करियर को बेहतर ऑप्शन देना चाहतें हैं तो आपको हॉन्ग कॉन्ग बेहतर विकल्प हो सकता है 2020 के फाइनेंशियल सेंटर इंडेक्स में हॉन्ग कॉन्ग को तीसरा रैंक प्राप्त हुआ है। यह युवाओं के बीच उच्च शिक्षा के लिए बेस्ट ऑप्शन के रूप में उभर रहा है। यहां की आसान वीजा पॉलिसी इसकी लोकप्रियता का एक कारण है। अन्य देशों के मुकाबले यहां की ट्यूशन फीस भी कम है जिससे छात्र हॉन्ग कॉन्ग की ओर आकर्षित होते हैं। आइये जानते हैं क्यों है हॉन्ग कॉन्ग स्टडी के लिए बेस्ट ऑप्शन

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

हॉन्ग कॉन्ग बेस्ट एजुकेशन हब है। क्यूएस छात्र सिटी 2021 में इसको 14वां रैंक दिया गया है। यहां इंटरनेशनल रैंकिंग प्राप्त बहुत सी यूनिवर्सिटीज हैं। दुनिया की टॉप 100 यूनिवर्सिटी में से 5 हॉन्ग कॉन्ग में हैं। यहां के शिक्षण संस्थान गुणवत्तापूर्ण और रिसर्च बेस्ड एजुकेशन मैथड का प्रयोग करते हैं।

शिक्षण संस्थान का चुनाव

अगर आप भी हॉन्ग कॉन्ग से पढाई करना चाहतें हैं तो पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। इसकी हॉन्ग कॉन्ग के बिजनेस और इंडस्ट्रियल लीडर्स से पार्टनरशिप है जो आपके लिए रोजगार के बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने में सहायक है। इससे आप अन्य देशों में रोजगार के अवसर तलाश सकते हैं। यह यूनिवर्सिटी अपने इंटरनेशनल लिंक के लिए भी मशहूर है। इस यूनिवर्सिटी की स्थापना 1937 में हुई थी। यहां आपको समस्याओं को हल करने के नए और यूनिक तरीके बताये जाते हैं।

कौन से हैं कोर्स

पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी में आप बिजनेस, इंटरनेशनल स्टूडेंट अप्लाइड साइंस, हेल्थ साइंस, होटल एन्ड टूरिज्म मैनेजमेंट, लैंग्वेज, कल्चर एन्ड कम्युनिकेशन, फैशन एंड टेक्सटाइल, कंस्ट्रक्शन एन्ड इन्वायरमेंट, डिजाइन, इंजीनियरिंग और सोशल साइंसेज स्ट्रीम में ऑफर किये जाने वाले कोर्स में से अपने लिए किसी भी अंडर ग्रेजुएट कोर्स का चयन कर सकते हैं।

हॉन्ग कॉन्ग में पढाई के फायदे

- पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी दो साल तक बाहरी छात्रों के रहने का प्रबंध करती है।
- नेशनल या इंटरनेशनल लेवल पर इंटर्नशिप का प्रबंध।
- किसी भी विदेशी युनिवर्सिटी कैम्पस से पढाई का अवसर।
- आप यहां स्कॉलरशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिसके अंतर्गत आपको -1,90,000 हॉन्ग कॉन्ग डॉलर %17 लाख 36 हजार रूपये, मिलेंगे जो आपकी एजुकेशनल परफॉर्मेंस के आधार पर रिन्यू किया जाता है।
- बाहरी छात्रों के लिए इमिग्रेशन का प्रबंध
- अगर आपने हॉन्ग कॉन्ग से अपना अंडर ग्रेजुएशन कोर्स पूरा कर लिया है और नौकरी के लिए एचकेएसएआर में रहना चाहतें हैं तो प्रोफेशनल के रूप में अप्लाई कर सकते हैं। अगर आपने इमिग्रेशन से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं तो आपको 12 महीने तक रहने के लिए अनुमति मिल जाएगी।

हॉन्ग कॉन्ग में पढाई करने के अन्य आकर्षण

पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी में बेहतर छात्र और शिक्षक अनुपात, यहां की योग्य फैकल्टी, स्टाफ का सहयोगपूर्ण व्यवहार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पद्धति इस शिक्षण संस्थान को छात्रों के बीच लोकप्रिय बनाने का मुख्य कारण है।

ब्रिटिश काउंसिल ने निकाली भारतीय छात्रों के लिए स्कॉलरशिप स्कीम

ब्रिटिश काउंसिल ने भारतीय छात्रों के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन स्कॉलरशिप की घोषणा की है। ब्रिटिश काउंसिल की यह स्कॉलरशिप 2022-23 एकेडमिक ईयर के लिए है। यह स्कॉलरशिप भारतीय छात्रों को फाइनेंस, बिजनेस, मार्केटिंग और डिजाइनिंग जैसे विषयों के लिए दी जाएगी। स्कॉलरशिप के लिए जरूरी योग्यता और अन्य जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

ब्रिटिश काउंसिल की इस स्कॉलरशिप योजना में यूके सरकार ने ग्रेट ब्रिटेन कैम्पेन की मदद से विभिन्न विषयों में अध्ययन के लिए भारतीय छात्रों 20 ग्रेट स्कॉलरशिप की घोषणा की है। इसमें यूके के 16 विश्व विद्यालयों की पार्टनरशिप है। जो छात्र कमर्शियल लॉ, ह्यूमन राइट्स और क्रिमिनल जस्टिस जैसे विषयों का अध्ययन करना चाहते हैं उनके लिए जस्टिस और लॉ से संबंधित 7 ग्रेट स्कॉलरशिप उपलब्ध है।

स्कॉलरशिप की पूरी जानकारी

छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवार britishcouncil.in/study-uk/scholarships/great-scholarships से पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यहां से आप उपलब्ध कोर्स, यूनिवर्सिटीज़ की पूरी लिस्ट, विश्वविद्यालयों की डेडलाइन की जानकारी ले सकते हैं।

अंग्रेजी शिक्षकों के लिए स्कॉलरशिप

ब्रिटिश काउंसिल ने भारतीय अंग्रेजी शिक्षकों के लिए अंग्रेजी भाषा शिक्षण में स्नातकोत्तर की पढाई के लिए यूके के दो विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप की घोषणा की है। अंग्रेजी शिक्षण में पोस्ट ग्रेजुएशन की पढाई के लिए कुल स्कॉलरशिप की संख्या 6 है। यह स्कॉलरशिप भारत में प्राइमरी या माध्यमिक सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों या उनके साथ काम करने वाले शिक्षकों के लिए है। 3 स्कॉलरशिप को लीड्स विश्वविद्यालय में फुल टाइम एमए के लिए उपलब्ध है, अन्य 3 स्कॉलरशिप स्टर्लिंग विश्विद्यालय द्वारा उपलब्ध है जो पार्ट टाइम/ऑनलाइन एमएससी प्रोग्राम के लिए है। इसके अंतर्गत दो हफ्तों की रेजिडेंशियल यात्रा शामिल है जो फुल्ली फंडेड होगी।

कहां से लें जानकारी

अंग्रेजी शिक्षण में पढाई के लिए आवेदन के लिए इच्छुक उम्मीदवार scholarship for english teachers पर क्लिक करके पूरी जानकारी ले सकते हैं। इसके पूर्व आवेदक विश्वविद्यालय से ऑफर प्राप्त कर लें।

करियर निर्माण में ऑक्सीजन की तरह है अंग्रेजी की भूमिका

यूं तो जीवन में सफल होने के लिए भाषा कहीं भी रोड़ा नहीं बन सकती लेकिन आज यदि तरक्की की दिशा में कदम बढ़ाना है तो अंग्रेजी को साथ लेकर चलना ही होगा। हो सकता है अंग्रेजी विषय की कमजोरी की वजह से आपको ज्यादा मशक्कत करना पड़े। जब प्रोफेशनल कोर्स में दाखिला लेते हैं तो करियर की राह में अंग्रेजी आड़े आ जाती है। आज अंग्रेजी न सिर्फ करियर के क्षेत्र में, बल्कि कम्युनिकेशन स्किल्स, पर्सनेलिटी डेवलपमेंट और बिजनेस के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए भी इसका ज्ञान आवश्यक है। ग्रुप डिस्कशन, इंटरव्यू, ओरल प्रजेंटेशन, रिपोर्ट राइटिंग और लेटर लिखने में अंग्रेजी का ज्ञान आपको लंबी रेस का घोड़ा साबित कर सकता है। अन्य विषयों को जिस तरह हम पढ़ते हैं, हमें अंग्रेजी को भी गंभीरता से लेना होगा। आज के समय में आप अंग्रेजी न आने का बहाना नहीं बना सकते। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के लिए अंग्रेजी की प्रर्याप्त जानकारी आवश्यक है। इतना ही नहीं अगर आपको अंग्रेजी आती है तो उससे आत्मविश्वास बढ़ता है। यानी करियर निर्माण में अंग्रेजी की भूमिका ऑक्सीजन की तरह है।

- छोटे वाक्यों को बार-बार दोहराएं और उन्हें रोजाना बातचीत में इस्तेमाल करने की कोशिश करें। इस बात को याद रखें कि हर भाषाओं की तरह अंग्रेजी को भी पहले बोलने का अभ्यास करना चाहिए। इसके बाद लिखने और पढ़ने की प्रैक्टिस हो।
- वाक्यों का अभ्यास आप करते रहें लेकिन आपको नए शब्दों को वाक्यों और सही रैफ्रेंस में सीखते रहना चाहिए। केवल कोई शब्द और उसका अर्थ जान लेना पर्याप्त नहीं है बल्कि उसका सही जगह इस्तेमाल करना भी आना चाहिए। जितना आपका शब्द ज्ञान बढ़ेगा, उतना ही आप उसमें दक्ष होते जाएंगे।
- ग्रामर भले ही सीधे इंगलिश की प्रैक्टिस नहीं कराती, पर वह सही ढंग से उसे सीखने में सहायक होती है और आम तौर पर भाषा में होने वाली गलतियों को भी दूर करती है। इसलिए बोलने की प्रैक्टिस करते हुए ग्रामर का भी सहारा लें।
- अंग्रेजी यूं तो आम भाषा नहीं है इसलिए हमें हमारी मातृभाषा की तरह माहौल नहीं मिल पाता। लेकिन हम चाहें तो ऐसा माहौल बना सकते हैं। अपने पेरेंट्स, दोस्तों से जितना हो सके अंग्रेजी में बात करें। टीवी पर आने वाले अंग्रेजी कार्यक्रमों को देखें। अंग्रेजी न्यूजपेपर पढ़ें।

सफल होना चाहते हैं तो...

नेटवर्किंग को करियर की सफलता की कुंजी कहा जाए, तो आज के दौर में गलत नहीं है क्योंकि सिर्फ स्किल और क्वॉलिफिकेशन रखना ही आजकल अच्छी जॉब की गारंटी नहीं है। जॉब मार्केट में ऐसी कई फील्ड्स हैं, जहां बिना नेटवर्किंग के नौकरी पाना कठिन है। बिजनेस स्थापित करने और बढ़ाने के लिए तो यह महत्वपूर्ण स्किल है ही। चलिए, जानते हैं संपर्क बढ़ाने के कुछ उपायों के बारे में, जो आपके करियर को आगे ले जा सकते हैं।

संकोची स्वभाव से बचें

नेटवर्किंग का पहला नियम यह है कि आप मिलनसार बनें। अगर आप संकोची स्वभाव रखेंगे, तो अच्छी नेटवर्किंग करना असंभव है। इसलिए सबसे पहले तो अपने कंफर्ट जोन से बाहर आएं। सोशल बनने की आदत डालें। अपनी जान-पहचान का दायरा बढ़ाएं।

टारगेट लोगों पर रखें फोकस

नेटवर्किंग का राज सिर्फ इवेंट अटेंड करना नहीं है। बेवजह ज्यादा लोगों से मेल-मुलाकात भी जरूरी नहीं है। इसके बजाय अपना ध्यान सिर्फ काम के लोगों पर ही केंद्रित करें, जो करियर में मददगार साबित हो सकते हों।

दो-तरफा हों रिश्ते

एकतरफा नेटवर्किंग ज्यादा दिन नहीं चलती है। इसलिए हमेशा संबंधों में विन-विन सिचुएशन रखें, यानी खुद भी मदद लें और दूसरों को भी मदद पहुंचाएं। साथ ही, लंबे समय तक चलने वाले संबंध बनाने पर ज्यादा जोर दें।

संपर्क बढ़ाने पर दें जोर

नेटवर्किंग का मतलब यह नहीं कि आप किसी से हमेशा कुछ पाने की ही अपेक्षा करें। रिश्ते बनाने को भी अहमियत दें। तमाम तरह के लोगों से संपर्क बढ़ाते रहें। इससे आपका व्यक्तित्व भी विकसित होगा। फॉलो-अप करना न भूलें अक्सर लोग एक-दो मुलाकातों के बाद एक-दूसरे को भूल जाते हैं। लंबे समय तक उनके बीच संपर्क कटा रहता है। इस प्रकार लगातार टच में न रहने से संबंधो में गैप आ जाता है। कोशिश करें कि एक बार किसी से संबंध बनाने के बाद लगातार उनके संपर्क में बने रहें।

सोशल नेटवर्किंग

फेसबुक, ट्विटर, वॉट्सऐप या लिंक्डइन के जरिए आजकल एक-दूसरे के संपर्क में रहना आसान हो गया है। सोशल नेटवर्किंग के इस टूल का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। इसके माध्यम से आप अपने कार्यक्षेत्र से जुड़े लोगों के संपर्क में रह सकते हैं। आप हमपेशेवर नए लोगों को भी अपने नेटवर्क में शामिल कर सकते हैं।

आईपीएल 2027:

दिल्ली कैपिटल्स टीम से जुड़े युवराज सिंह

सहायक बल्लेबाजी कोच बने, गांगुली ने जमकर की तारीफ

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह आईपीएल 2027 से पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़े हैं। युवराज दिल्ली की टीम में सहायक और बल्लेबाजी कोच बने हैं। फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को वीडियो जारी कर इसकी घोषणा की है।

कोचिंग करियर की करेंगे शुरूआत

44 वर्षीय युवराज ने भारत की 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह इस फ्रेंचाइजी के साथ अपने आईपीएल कोचिंग करियर की शुरूआत करेंगे। उन्होंने हाल के वर्षों में कई स्थापित और उभरते हुए भारतीय क्रिकेटरों का मार्गदर्शन भी किया है। युवराज का दिल्ली फ्रेंचाइजी के साथ पहले से भी इतिहास रहा है। उन्होंने 2015 में रिकॉर्ड 16 करोड़ रुपये में दिल्ली कैपिल्स (तब डेयरडेविल्स) ज्वाइन किया था और उस सीजन के सभी 14 मैचों में खेले थे।

गांगुली के साथ काम करने के लिए उत्सुक

युवराज ने कहा, 'मैं दिल्ली कैपिटल्स के साथ अपने जीवन का एक नया अध्याय शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। फ्रेंचाइजी के साथ मेरा पुराना नाता रहा है और मैं मालिकों को अच्छी तरह जानता हूं, जो इसे मेरे लिए एक विशेष अवसर बनाता है।' उन्होंने आगे कहा कि वह सौरव गांगुली और कोचिंग स्टाफ के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। अपने आईपीएल करियर के दौरान युवराज ने 132 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 2,750 रन बनाए और 36 विकेट लिए।

युवराज का अनुभव आएगा काम

पूर्व ऑलराउंडर युवराज ने अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों के साथ काफी करीब से काम किया है, जो अब भारतीय टीम के मुख्य स्तंभ बन चुके हैं। उन्होंने अपना अनुभव साझा करके उनके खेल को निखारने में मदद की है। युवराज कई अन्य खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में भी शामिल रहे हैं। अभिषेक के साथ उनका जुड़ाव विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है, जिनकी बदौलत इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने भारत के सबसे विस्फोटक टी20 बल्लेबाजों में से एक के रूप में अपनी पहचान बनाई है। 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जीतने का उनका अनुभव दिल्ली कैपिटल्स के कोचिंग सेटअप के लिए एक मूल्यवान साबित होगा। पिछले कुछ वर्षों में कई युवा भारतीय सितारों को मार्गदर्शन देने के बाद, युवराज अब अपनी पहली औपचारिक कोचिंग भूमिका निभा रहे हैं क्योंकि यह फ्रेंचाइजी आईपीएल के अपने पहले खिताब के सूखे को खत्म करने की तलाश में है।

विराट कोहली ने 37 की उम्र में लिंक्डइन प्लेटफॉर्म पर किया डेब्यू

एजेंसी, नई दिल्ली।

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने खेल के मैदान से दूर अब पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर अपनी नई शुरूआत की है।

इस मंच के जरिए उन्होंने भारतीय खेल क्षेत्र के लिए अपने विजन को साझा किया और एगिलाटास स्पोर्ट्स में अपने निवेश का जिक्र किया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ एक पेशेवर खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बताने के अलावा, लिंक्डइन प्रोफाइल में खुद को बिजनेसमैन बताया है। कोहली ने प्रोफाइल में खुद को एगिलाटास का निवेशक और वन8वर्ल्ड का सह-संस्थापक बताया है।

कोहली के पोस्ट से उत्साहित हुए यूजर्स

लिंक्डइन पर कोहली के पहले पोस्ट को फैंस का जबरदस्त प्यार मिला है, जिसे महज कुछ घंटे के भीतर हजारों लाइक्स, सैकड़ों कमेंट्स और रीपोस्ट मिल चुके हैं। इस स्टार बल्लेबाज ने भारतीय खेलों के भविष्य के लिए अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए एक ऐसा व्यवसाय स्थापित करने की अपनी महत्वाकांक्षा पर जोर दिया, जो पेशेवर क्रिकेटर के रूप में उनके संन्यास के बाद भी लगातार आगे बढ़ता रहे।

खेल प्रतिभाओं को विकसित करने पर की बात

कोहली ने भारत में विश्व स्तर की खेल प्रतिभाओं को विकसित करने और वैश्विक पहुंच वाले घरेलू ब्रांड तैयार करने की अपार संभावनाओं पर भी बात की। बिजनेस में आना उनके एक बड़े प्लान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य विनिर्माण, उपभोक्ता ब्रांड और वितरण को शामिल करते हुए एक एकीकृत खेल व्यवसाय का निर्माण करना है। लिंक्डइन पर साझा किए गए अपने पहले पोस्ट में विराट कोहली ने लिखा, मैं हमेशा से एक ऐसा भारत देखना चाहता था जहां हर खेल को फॉलो किया जाए, उसका जश्न मनाया जाए और उसे खेला जाए। आज, वह विजन पहले से कहीं अधिक करीब महसूस होता है। एक नई पीढ़ी यह साबित कर रही है कि भारत विश्व स्तर के एथलीट तैयार कर सकता है और वैश्विक मंच के लिए ब्रांड बना सकता है।

उन्होंने लिखा, भारत से एक एंड-टू-एंड स्पोर्ट्स प्लेटफॉर्म बनाने का विजन, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग, कंज्यूमर ब्रांड और स्पोर्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन शामिल हैं। यह इस विश्वास पर आधारित है कि भारत केवल वैश्विक खेल में भाग नहीं ले सकता, बल्कि उसके भविष्य को आकार देने में मदद कर सकता है। यही वजह है कि मैं एक निवेशक के रूप में जुड़ा हूं। विजन बिल्कुल स्पष्ट है। अब कुछ ऐसा बनाने का समय आ गया है जो हम सभी से आगे भी चलता रहे। हम इसी सफर पर हैं।

शानदार फॉर्म में चल रहे हैं कोहली

खेल के मैदान पर भी विराट कोहली यह लगातार साबित कर रहे हैं कि वह एक ऐसी ताकत हैं जिनका मुकाबला करना आसान नहीं है। उन्होंने अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप में अपनी जगह पक्की करने के लिए अपना दावा मजबूत करना जारी रखा है। कोहली हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते नजर आए थे।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी

हॉकी इंडिया ने पुरुष हॉकी टीम का किया एलान, कृष्ण पाठक की वापसी; हरमनप्रीत को कमान

एजेंसी, नई दिल्ली।

हॉकी इंडिया ने मंगलवार को पंजाब में होने वाली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के लिए भारतीय पुरुष टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 27 अक्तूबर से पांच नवंबर तक जालंधर और मोहाली में खेला जाएगा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह टीम की कमान संभालेंगे। उन्होंने जापान में हुए एशियन गेम्स में भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जिताया था, जहां टीम ने पहली बार अपने महाद्वीपीय खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

एशियाड टीम में शामिल खिलाड़ियों को मौका

टीम में उन खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है, जिन्होंने एशियन गेम्स में सफलता दिलाई थी। इससे निरंतरता बनी रहेगी, क्योंकि भारत घरेलू मैदान पर एशिया के प्रमुख हॉकी देशों का सामना करने की तैयारी कर रहा है। गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक की वापसी हुई है, जबकि युवा डिफेंडर अमनदीप लकरा और मिडफील्डर आदित्य अर्जुन लालागे को सीनियर टीम में अपनी जगह मजबूत करने का एक और मौका मिला है।

18 सदस्यीय प्लेइंग स्क्वाड के अलावा मिडफील्डर विष्णु कांत सिंह और फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह को दो रिजर्व खिलाड़ियों के तौर पर चुना गया है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, पंजाब में एसीटी खेलना कुछ खास होगा।

इस टीम में युवा जोश और अनुभव का मेल है, और हम घरेलू दर्शकों के उत्साह का लाभ उठाने के लिए बेताब हैं। भारत में टूर्नामेंट खेलने जैसा कुछ नहीं है, और हमने इसे बहुत मिस किया है।

भारत है टूर्नामेंट की सफल टीम

यह टूर्नामेंट खास महत्व रखता है, क्योंकि इससे पंजाब में इंटरनेशनल हॉकी की वापसी हो रही है। इस राज्य ने खेल में बहुत बड़ा योगदान दिया है और कई पीढ़ियों तक शानदार खिलाड़ी दिए हैं। जालंधर और मोहाली में होने वाले मैचों के जरिए एशिया के बेहतरीन हॉकी टैलेंट इस क्षेत्र में आएंगे, जिसका खेल से गहरा नाता है। गत चैंपियन भारत अपनी हालिया सफलता को आगे बढ़ाना चाहेगा और एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में अपने शानदार रिकॉर्ड को जारी रखना चाहेगा। भारत ने अब तक पांच बार यह खिताब जीता है और वह टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है। मुकाबले की शुरूआत जालंधर से होगी, जहां ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में 27 अक्तूबर से दो नवंबर तक ओपनिंग सेरेमनी और लीग-स्टेज के सभी मैच खेले जाएंगे। इसके बाद टूर्नामेंट के अहम मैचों के लिए मुकाबले मोहाली में होंगे। चार नवंबर को सेमीफाइनल और पांच नवंबर को ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में मेडल मैच खेले जाएंगे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीमः

गोलकीपरः सूरज करकेरा, कृष्ण बहादुर पाठक
डिफेंडरः संजय, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, जरमनप्रीत सिंह, अमनदीप लकरा
मिडफील्डरः राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालागे, नीलकंठ शर्मा, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह
फॉरवर्डः शिलानंद लकरा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह, मनदीप सिंह
रिजर्व/रिप्लेसमेंट खिलाड़ीः विष्णु कांत सिंह, अंगद बीर सिंह

राधिका मदान ने बयां किया दर्द, सुनाया बचपन का किस्सा

बॉलीवुड अभिनेत्री राधिका मदान ने महिलाओं के लुक को लेकर दबाब झेलने पर बात की। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर सेलेब्स के लुक को ट्रोल करने पर भी काफी कुछ कहा।

बॉडी शेमिंग पर क्या बोलीं राधिका?

राधिका मदान ने बॉडी शेमिंग को लेकर अपना निजी संघर्ष भी साझा किया। उन्होंने हिंदुस्तान टाइम्स से बातचीत में कहा, ''मैंने फिल्म 'पटाखा' के लिए 15 किलो वजन बढ़ाया था और 'शिद्दत' व 'अंग्रेजी मीडियम' के लिए मैं वह वजन घटा रही थी। इस दौरान मुझे कहा गया कि मैं बहुत मोटी हो गई हूं और हीरोइन कैसे बन सकती हूं? इसके बाद लगातार शूटिंग करते हुए मेरा वजन घटता रहा और मैं बिल्कुल हड्डियों का ढांचा बन गई।''

एक्ट्रेस ने खुद से किया यह सवाल

आगे अपने इंटरव्यू में राधिका ने कहा, ''मैंने खुद से पूछा कि मैं लोगों को खुश करने की कोशिश क्यों कर रही हूं, जबकि वे कभी खुश नहीं होंगे? इसलिए, मैंने एक खास शारीरिक बनावट पाने की चाहत के बजाय स्वास्थ्य रहने पर ध्यान देना शुरू किया। एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो दूसरों की राय आपको प्रभावित नहीं करती, क्योंकि आप समझदार हो जाते हैं। आपको नहीं पता कि उनकी आलोचना किस असुरक्षा से उपजी है। लेकिन मुझे इस बात का सुकून है कि अब मैं स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही हूं।''

अपनी बातचीत में राधिका मदान ने कहा, ''मुझे खुद से प्यार करने का विचार थोड़ा घिसा-पिटा लगता है, लेकिन आपको खुद को स्वीकार करना होगा। अपनी खूबियों के बारे में सोचना होगा। स्कूल के दिनों में मेरी भौहें जुड़ी हुई थीं और बहुत ज्यादा बाल थे। चूंकि मेरे माता-पिता का व्यवहार बहुत पॉजिटिव था, इसलिए मुझे इतना बढ़ावा दिया गया कि मुझे लगा कि लोगों को यह नहीं पता कि मैं कितनी सुंदर हूं। मेरे दोस्त थे, लेकिन मुझे कभी भी उनकी राय की जरूरत महसूस नहीं हुई। इसलिए, जब मेरी जुड़ी हुई भौहें हट गईं और लोग मुझे नोटिस करने लगे, तब भी मैंने उनमें बदलाव देखे।'

राधिका मदान का वर्कफ्रंट

एक्ट्रेस राधिका मदान ने फिल्म 'पटाखा' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। उनके करियर को पहचान इरफान खान के साथ उनकी फिल्म 'अंग्रेजी मीडियम' ने दिलाई। इसके बाद उन्होंने वह 'शिद्दत', 'जिगरा' में भी नजर आईं। हाल ही में वह 'लस्ट स्टोरी 3' में नजर आईं।

आगरा की बेटी दिविजा महाजन का पैकिंग उद्योग में वैश्विक क्रांति का संकल्प

पिता और चाचा के संघर्ष से गढ़ी गई सफलता की अनूठी दास्तान

केवल सुंदरता नहीं बल्कि उपयोगिता और व्यावहारिकता है असली डिजाइन

ब्रांड प्रेजेंटेशन और कम्यूनिकेशन से दी आधुनिक कॉर्पोरेट पहचान

पारंपरिक पैकेजिंग के दायरे से निकलकर केमिकल सेगमेंट तक का विस्तार

यूथ आइकॉन

बचपन में अपने घर के बड़ों को मेहनत करते देख मन में अंकुरित हुआ एक सपना जब जुनून बन जाता है तब सफलता के नए आयाम गढ़ता है। आगरा के ट्रांसपोर्ट नगर की एक छोटी सी इकाई से शुरू होकर अरतौनी के आधुनिक औद्योगिक स्वरूप तक पहुँची कंपनी 'परफेक्ट पैकर्स' की यह गाथा संघर्ष और नवाचार की अद्भुत मिसाल है। इस सफल व्यावसायिक यात्रा को नई ऊर्जा और आधुनिक दृष्टिकोण प्रदान कर रही हैं युवा उद्यमी दिविजा महाजन जो अपनी रचनात्मक सोच से इसे वैश्विक पहचान दिलाने में जुटी हैं।

नींव से मिली प्रेरणा और बचपन का पाठ

दिविजा महाजन की यह व्यावसायिक यात्रा केवल एक व्यवसाय से जुड़ने की कहानी नहीं है बल्कि यह अपने पिता और चाचा के अटूट परिश्रम को करीब से देखने का परिणाम है। बचपन में ट्रांसपोर्ट नगर की गलियों से गत्ते के डिब्बे बनाने से लेकर ग्राहकों के साथ विश्वास का मजबूत रिश्ता कायम करने की उस प्रक्रिया ने दिविजा के मन पर अमिट छाप छोड़ी है। बड़ों के उस सतत संघर्ष और निरंतरता को देखकर ही दिविजा ने धैर्य और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ जीवन में आगे बढ़ने की सबसे बड़ी सीख प्राप्त की है।

धरातल से सीखा निर्माण का हर गुण

पारिवारिक व्यवसाय से जुड़ने के बाद दिविजा ने सीधे उच्च पद संभालने की बजाय जमीनी स्तर पर विनिर्माण की सूक्ष्म बारीकियों को समझने का कठिन मार्ग चुना। उन्होंने कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया, लागत निर्धारण तथा ग्राहकों की वास्तविक आवश्यकताओं को धरातल पर उतरकर गहराई से समझा है। इस व्यावहारिक अनुभव ने उन्हें यह सिखाया कि कोई भी श्रेष्ठ डिजाइन केवल देखने में आकर्षक नहीं होना चाहिए बल्कि वह व्यावसायिक रूप से व्यावहारिक और टिकाऊ भी होना चाहिए।

क्रिएटिव डायरेक्टर के रूप में नया स्वरूप

वर्तमान समय में 'परफेक्ट पैकर्स' तथा 'परफेक्ट सॉल्यूशन' में बतौर क्रिएटिव डायरेक्टर की जिम्मेदारी संभालते हुए दिविजा ब्रांड प्रेजेंटेशन और क्लाइंट रिलेशनशिप में नए मानक स्थापित कर रही हैं। उनका मुख्य उद्देश्य पारंपरिक विनिर्माण अनुभव के साथ आधुनिक डिजाइनिंग और बेहतर कार्यक्षमता का अद्भुत समन्वय स्थापित करना है। दिविजा की दूरदर्शी सोच के कारण ही आज यह समूह केवल पारंपरिक पैकेजिंग तक सीमित न रहकर रिटेल सॉल्यूशंस और केमिकल सेगमेंट में भी अपने कदम तेजी से आगे बढ़ा रहा है।

आगरा की माटी से विश्व पटल की ओर

अपने परिवार द्वारा आगरा की माटी पर खड़ी की गई इस मजबूत नींव पर दिविजा अब एक भव्य वैश्विक पहचान की इमारत का निर्माण करना चाहती हैं। उनका स्पष्ट विजन पैकेजिंग उद्योग में प्रौद्योगिकी, पर्यावरण अनुकूलता तथा सतत नवाचार का समावेश करके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना है। आगरा को अपना मजबूत आधार मानते हुए और पूरे विश्व को अपनी महत्वाकांक्षा बनाकर दिविजा महाजन आज की युवा पीढ़ी के लिए एक सच्ची यूथ आइकॉन बनकर उभर रही हैं।

नोट- यदि आप भी यूथ हस्ती हैं और आपने अपनी मेहनत से उद्योग जगत को एक नई दिशा प्रदान की है तो अपने इस अद्भुत संघर्ष और सफलता की पूरी कहानी हमें 9412359817 पर व्हाट्सअप करें।

विद्युतः स्ट्रगल की परिभाषा पर क्यों उठाया सवाल?

'स्ट्रीट फाइटर' से हॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे अभिनेता विद्युत जामवाल ने ओटीटी के आने से कलाकारों की बदली जिंदगी और इंडस्ट्री में स्ट्रगल को लेकर अपनी राय साझा की। उन्होंने बताया कि उनकी नजर में असली संघर्ष क्या है और स्टार बनने के बाद कलाकारों की जिम्मेदारी क्या होनी चाहिए।

बाहर से आने वालों पर क्या बोले एक्टर?

विद्युत के मुताबिक इंडस्ट्री में कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। वह कहते हैं, ''अगर लोगों को लगता है कि सीधा मिल जाता है, तो सीधा कुछ भी नहीं मिलता। इसका मतलब ये है कि अगर आपको स्विमिंग सीखनी है तो गीला होना पड़ेगा। जब मैं लोगों को सुनता हूं कि मैंने खाना नहीं खाया था, एक्टिंग में ये किया, तीन दिन भूखा रहा, ऑडिशन दिए, तो मुझे लगता है कि ये तो प्रोसेस है। इससे क्या होता है कि आपने खाना नहीं खाया? अगर आप बाहर से आए हैं तो थोड़ी बहुत दुविधाएं होंगी।''

स्टार बनने के बाद यह करेंगे विद्युत

स्ट्रगल को लेकर विद्युत कहते हैं, ''लेकिन जब आप स्टार बन जाएंगे तो क्या आप उन लोगों की मदद करेंगे जो नए आए हैं? सबसे अहम सवाल यही है। क्या आप उनकी जर्नी आसान करेंगे? मैं इंटरव्यू में सुनता हूं कि मैं तीन दिन यहां रहा, मैंने ये किया, लोकल ट्रेन से ट्रैवल किया। यह नॉर्मल है। ये तो बहुत नॉर्मल चीज है, जिसे लोग स्ट्रगल कहते हैं। मेरी नजर में ये रियल स्ट्रगल नहीं है।''

ओटीटी ने बदली कलाकारों की किस्मत

ओटीटी के आने से कलाकारों की बदली स्थिति का जिक्र करते हुए विद्युत कहते हैं, ''मुझे मुंबई आए जितना समय हुआ है, मैं जितने नेशनल स्कूल और ड्रामा के एक्टर्स को जानता था, जो बेरोजगारी के आलम से गुजर रहे थे, आज वो काफी जाने-पहचाने एक्टर्स हो गए हैं। ओटीटी में जिनको मौका नहीं दिया जा रहा था, ओटीटी ने उनको बहुत चांसेज दिए। हर एक्टर जिसने एक्टिंग में महारत हासिल की है या एजुकेशन ली है, उसे काम जरूर मिलना चाहिए।''